Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 65 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, गुरुवार 10 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी

■ छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा राज्यों के 14 जिले होंगे कवर

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज रेल मंत्रालय की कुल 10,783 करोड़ रुपये की लागत वाली 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में शामिल हैं।

खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन, बिलासपुर (उसलापुर) : पेंड्रा रोड तीसरी लाइन, बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की प्रचालनगत दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन सुव्यवस्थित होगा और भीड़भाड़ में कमी आएगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं। इनका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टीमॉडल-कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के 14 जिलों को कवर करने वाली इन तीन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के वर्तमान नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 4,790 गांवों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिनकी आबादी लगभग 56 लाख है।

प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क में सुधार होगा, जिनमें तारातारिणी मंदिर, श्री क्षेत्र जगन्नाथ मंदिर (झारसुगुड़ा के पास स्थित प्राचीन मंदिर), बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, विराटेश्वर मंदिर, अमरकंटक मंदिर, ज्वालेश्वर धाम, अचानकमार टाइगर रिजर्व, खुटाघाट बांध, मल्हार पुरातात्विक स्थल, रतनपुर महामाया मंदिर आदि शामिल हैं।

प्रस्तावित परियोजनाएं कोयला, सीमेंट, लोहा और इस्पात आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक रूट हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों से प्रति वर्ष 27 मिलियन टन (एमटीपीए) माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी। पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में रेलवे सहायक होगा। साथ ही, इससे तेल आयात (लगभग 12 करोड़ लीटर) में कमी आएगी और कार्बनडाईऑक्साइड उत्सर्जन (लगभग 62 करोड़ किलोग्राम) घटेगा, जो 2.48 करोड़ वृक्षारोपण के बराबर है।

पीएम मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 10 हजार 783 करोड़ रुपए की लागत वाली तीन महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इनमें बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन छत्तीसगढ़ के विकास की दृष्टि से विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश के रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी, यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा तथा उद्योग और व्यापार के लिए माल परिवहन अधिक सुगम एवं प्रभावी होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक और मजबूत रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की दिशा में अभूतपूर्व गति से कार्य हो रहा है। छत्तीसगढ़ को भी इसका निरंतर लाभ मिल रहा है। नई मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को गति देने के साथ प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों, औद्योगिक विकास और रोजगार की नई संभावनाओं को विस्तार देंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

रेल नेटवर्क की क्षमता और कनेक्टिविटी में होगा विस्तार

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत तीन परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन तथा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। इनकी कुल अनुमानित लागत 10 हजार 783 करोड़ रुपए है और इन्हें वर्ष 2029-30 तक पूर्ण करने की योजना है।

इन तीनों परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इनसे लगभग 4 हजार 790 गांवों और करीब 56 लाख की आबादी को बेहतर रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे किसान नेताओं के साथ बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 10 सितंबर को अपरान्ह 4 बजे कृषि भवन, नई दिल्ली में देशभर के प्रमुख किसान संगठनों के शीर्ष नेताओं के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। शिवराज सिंह चौहान द्वारा आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सीड कानून के मसौदे पर सीधे किसानों के जमीनी अनुभव, सुझाव और पक्ष को शामिल करना है ताकि बीज माफ़ियाओं के खिलाफएक अचूक और प्रभावी व्यवस्था खड़ी की जा सके। प्रस्तावित नए 'सीड एक्ट' के तहत नकली, मिलावटी या घटिया बीज बेचने वाली कंपनियों और कारोबारियों के खिलाफ भारी जुर्माने और जेल की सजा जैसे बेहद सख्त कानूनी प्रावधान किए जा रहे हैं। कई बार खराब बीज के कारण किसान की महीनों की गाढ़ी कमाई और खून-पसीने की मेहनत बर्बाद हो जाती है।

भिलाई और रिसाली नगर निगम के वार्डों का हुआ आरक्षण

■ नगरीय निकाय चुनाव 2026 : कांग्रेस नेताओं ने जताई नाराजगी

भिलाई (विश्व परिवार)। नगर निगम चुनाव के लिए सिविक सेंटर कला मंदिर में आज भिलाई और रिसाली नगर निगम के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया कलेक्टर अभिजित सिंह की अध्यक्षता में पूरी हुई। नगर पालिका निगम भिलाई के 70 वार्डों में से 23 वार्ड ओबीसी के लिए आरक्षित किए गए हैं। इनमें 8 वार्ड ओबीसी महिला और 15 वार्ड पिछड़ा वर्ग मुक्त के लिए हैं। इसके अलावा 3 वार्ड एसटी, 9 वार्ड एससी और 24 वार्ड सामान्य वर्ग के लिए रखे गए हैं। सामान्य वर्ग के 24 वार्डों में 11 महिला आरक्षित हैं। 2011 की जनगणना अनुसार 2020 में वार्डों के परिसीमन के दौरान बनाए गए ब्लॉक के अनुसार आरक्षण लॉटरी पद्धति से किया गया। वहीं रिसाली नगर निगम के 40 वार्डों का भी आरक्षण हुआ, जिसमें कांग्रेस नेता शामिल नहीं हुए। रिसाली निगम में अन्य पिछड़ा वर्ग में महिला 3 वार्ड, मुक्त 5 वार्ड, अनुसूचित जाति महिला वर्ग में 2 वार्ड व मुक्त 5 वार्ड आरक्षित किए गए।

स्वास्थ्य क्षेत्र में संजीव कुमार सोनी मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में भाजपा ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी एवं उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी के करकमलों से श्री संजीव कुमार सोनी जी को उनके उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

श्री संजीव कुमार सोनी जी विगत 26 वर्षों से स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा एवं जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करते आ रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा एवं समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के क्षेत्र में उनके समर्पण, सेवाभाव एवं उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।कार्यक्रम में भाजपा के केंद्रीय संगठन महामंत्री जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू जी ने भी ओबीसी मोर्चा के इस प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। साथ ही श्री ओ.पी. चौधरी जी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक साहू जी, प्रदेश प्रभारी श्री लखन लाल साहू जी एवं प्रदेश महामंत्री श्री किशोर सिन्हा जी सहित भाजपा एवं ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। यह सम्मान श्री संजीव कुमार सोनी जी के 26 वर्षों के निरंतर सेवाभाव, समर्पण एवं सामाजिक योगदान का गौरवपूर्ण सम्मान है।

छत्तीसगढ़ के समावेशी विकास और आर्थिक प्रगति को मिल रही नई गति : रामदास आठवले

■ केंद्रीय राज्य मंत्री ने रायपुर में जनकल्याणकारी योजनाओं और SC/ST बैकलाग भर्ती की समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास आठवले ने अपने छत्तीसगढ़ के आधिकारिक दौरे के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की दृष्टि के तहत राज्य के सर्वांगीण विकास को मजबूत वित्तीय गति प्रदान कर रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के लिए 50,427 करोड़ रुपए का कर हस्तांतरण प्रस्तावित किया गया है, साथ ही राज्य की वित्तीय क्षमता और बुनियादी ढांचे के कार्यों को सुदृढ़ करने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 15,000 करोड़ रुपए के अनुदान का प्रावधान किया गया है।

राज्य में केंद्रीय प्रमुख योजनाओं की प्रगति को प्रस्तुत करते हुए श्री आठवले ने कहा कि केंद्रीय सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी कार्यक्रम पूरे छत्तीसगढ़ में ग्रामीण, गरीब और आदिवासी समुदायों पर एक परिवर्तनकारी प्रभाव डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत राज्य में 1.88 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिससे 9,324 करोड़ रुपए से अधिक की जमा राशि के साथ वित्तीय समावेशन सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 39.75 लाख से अधिक गैस कनेक्शन आवंटित किए गए हैं, जो ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ ईंधन प्रदान कर रहे हैं।

अवसंरचना और स्वास्थ्य विकास पर प्रकाश डालते हुए मंत्री महोदय ने रेखांकित किया कि राज्य में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार के लिए 5 नए मेडिकल कॉलेजों की मंजूरी दी गई है।

शुभेंदु अधिकारी ने जादवपुर-यूनिवर्सिटी के पास भगवा सम्मान यात्रा निकाली

■ कहा- 'कश्मीर आजादी चाहता है' के नारे लगाने वालों को उखाड़ फेंकेंगे

कोलकाता। बुधवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जादवपुर यूनिवर्सिटी के पास 3 किलोमीटर लंबी 'भगवा सम्मान यात्रा' निकाली। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी कैंपस में 'कश्मीर आजादी चाहता है' जैसे नारे लगाने वाली ताकतों को उखाड़ फेंका जाएगा। यह मार्च दक्षिण कोलकाता के गोलपार्क से शुरू होकर जादवपुर यूनिवर्सिटी के बाहर 8क्क बस स्टैंड पर खत्म हुआ। इसमें बड़ी संख्या में साधु-संतों और सैकड़ों भाजपा समर्थकों ने हिस्सा लिया। पूरी यात्रा में 'जय श्रीराम' के नारे लगाए गए। अधिकारी भगवा कपड़े पहनकर और भगवा झंडा लेकर यात्रा में सबसे आगे रहे। एक भाजपा नेता ने कहा कि यह यात्रा भगवा रंग की गरिमा बचाने और उसे बदनाम करने की कोशिशों के विरोध में आयोजित की गई थी।

यह मार्च ऐसे समय निकाला गया है, जब जादवपुर यूनिवर्सिटी में राजनीतिक और वैचारिक टकराव बढ़ा हुआ है। पिछले कुछ दिनों में वाम समर्थित छात्र संगठनों और RSS से जुड़े ABVP के बीच झड़पें, दीवारों पर लिखे नारे और नारेबाजी का विवाद तेज हुआ है। शुभेंदु अधिकारी ने मार्च से दो हफ्ते से भी कम समय पहले यूनिवर्सिटी के बाहर हुए एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। उस कार्यक्रम में करीब 10 हजार लोगों ने 'वंदे मातरम्' का पूरा संस्करण गाया था। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को इस साल की दुर्गा पूजा के लिए कई नए निर्देशों की घोषणा की।

विजय के गठबंधन को मिला नया नाम

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने अपने राजनीतिक गठबंधन को नया नाम दिया है। बुधवार को चेन्नई में टीवीके मुख्यालय पर हुई सहयोगी दलों की बैठक के बाद गठबंधन का नाम 'सेक्युलर सोशल जस्टिस विक्ट्री अलायंस' घोषित किया गया। यह गठबंधन कांग्रेस, VCK, MDMK और IUML समेत कई दलों के साथ बनाया गया है।

मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को चेन्नई स्थित पनैयूर में पार्टी हेडक्वार्टर में शाम 4 बजे गठबंधन की दूसरी बड़ी बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गठबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें सबसे अहम मुद्दा गठबंधन के लिए आधिकारिक नाम तय करना था।

पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया

■ आजाद चौक और टिकरापारा समेत कई थानों में बदलाव

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने 7 निरीक्षकों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। तबादले के बाद आजाद चौक, टिकरापारा और गोलबाजार थाने समेत महिला थाना, यातायात और जिविशा में भी जिम्मेदारियां बदली गई हैं। जारी आदेश के मुताबिक कुछ निरीक्षकों को थानों की कमान सौंपी गई है, जबकि कुछ अधिकारियों को रक्षित आरक्षी केंद्र से हटाकर अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। सभी अधिकारियों को अपनी वर्तमान पदस्थापना से कार्यमुक्त होकर नई जगह तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

तबादला सूची में आजाद चौक और टिकरापारा थाना प्रमुख रूप से शामिल हैं। आजाद चौक थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह को टिकरापारा थाने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं टिकरापारा थाना प्रभारी राजेश कुमार मरई को रक्षित आरक्षी केंद्र भेजा गया है। इसी तरह महिला थाना की प्रभारी अर्चना धुरंधर को आजाद चौक थाना प्रभारी बनाया गया है। उनकी जगह राजश्री मौर्य को महिला थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कृष्ण कुमार साहू, जो अभी जिविशा के प्रभारी थे, अब गोलबाजार थाना प्रभारी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

जर्मनी में पहली बार कट्टर दक्षिणपंथी दल चुनाव जीता

पेरिस। जर्मनी के सैक्सोनी-आनहाल्ट में सितंबर 2026 के चुनाव में अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह पहला मौका है, जब जर्मनी में कोई दक्षिणपंथी पार्टी किसी राज्य में सत्ता के करीब पहुंची है। दूसरे देशों से आकर जर्मनी में बसे लोगों और समलैंगिक शादी के खिलाफ सख्त रुख के लिए जानी जाती है। लेकिन इस पार्टी की कहानी में एक बात सबसे ज्यादा चौंकाती है। द्वष्ट की चीफ एलिस वीडल खुद लेस्बियन हैं। उनकी पार्टनर श्रीलंका में जन्मी हैं। यानी जिस पार्टी की नीतियां समलैंगिक शादी और प्रवासियों के खिलाफ हैं, उसी पार्टी की सबसे ताकतवर नेता की निजी जिंदगी इससे बिल्कुल अलग है।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में हुई केबिनेट की बैठक

■ 'मुख्यमंत्री स्टार्टअप मिशन' की मंजूरी, 500 करोड़ रूपए का प्रावधान

■ नौकरी में आवेदन के लिए अधिकतम आयु सीमा 38 से बढ़ाकर 45 साल करने की मंजूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज केबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई। मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित बैठक में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने सरकारी और संबद्ध संस्थाओं में काम करने वाले कर्मचारियों को भी बड़ी राहत दी है। दूसरी शासकीय सेवाओं और उच्च पदों के लिए आवेदन करने की अधिकतम आयु सीमा 38 से बढ़ाकर 45 साल करने को मंजूरी दी गई है। वहीं छत्तीसगढ़ को प्रमुख निर्यात केंद्र बनाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30 को भी हरी झंडी दी गई। मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास, उद्यमिता और नवाचार के नए अवसर सृजित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 'मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं NIPUN मिशन' को मंजूरी दी है। मिशन के लिए आगामी पांच वर्षों हेतु 500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत सभी 33 जिलों में उद्यमिता विकास केंद्र, 100 इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब और 5 इंडस्ट्री एक्सीलेंस सेंटर स्थापित किए जाएंगे तथा NIPUN JOB Engine के माध्यम से उद्योगों की जरूरत के अनुरूप कौशल विकास और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस मिशन का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर देने के साथ ही उन्हें जॉब-सीकर से जॉब-क्रिएटर बनाना और छत्तीसगढ़ को स्टार्टअप, नवाचार एवं नई तकनीक आधारित उद्योगों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है।

मंत्रिपरिषद ने राज्य को देश के प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से 'छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30' को मंजूरी दी है। नई नीति के माध्यम से प्रदेश में मजबूत निर्यात इकोसिस्टम और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने, निर्यातकों को बेहतर बाजार पहुंच एवं व्यापार सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही कृषि एवं औद्योगिक क्षेत्रों में मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा।

भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होगी श्रीलंकाई भूमि : राष्ट्रपति दिसानायके

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 9 सितंबर 2026 को कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-श्रीलंका के पारंपरिक रूप से सौहार्दपूर्ण संबंधों और आपसी विश्वास पर आधारित बहुआयामी साझेदारी से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने साझा प्रगति, जन कल्याण और क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति एवं समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने के संकल्प की पुष्टि की। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और श्रीलंका सभ्यतागत रूप से जुड़े घनिष्ठ पड़ोसी और समुद्री साझेदार हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से श्रीलंका के राष्ट्रपति को शुभकामनाएं दीं और दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत ऐतिहासिक एवं सभ्यतागत संबंधों तथा जन-जन के संपर्क पर आधारित गहरी मित्रता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सबसे करीबी मित्र और पड़ोसी श्रीलंका को प्रथम सहायता प्रदान करना अपना दायित्व मानता है और आगे भी ऐसा करता रहेगा।

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने राजनाथ सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी मुलाकातों को याद करते हुए दोहराया कि श्रीलंका अपनी धरती का इस्तेमाल भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल किसी भी गतिविधि के लिए नहीं होने देगा। दोनों देशों ने क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए आपसी सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

सीरिया : हथियार डिपो में विस्फोट, 14 लोगों की मौत

इदलिब। मिडिल ईस्ट में जारी सैन्य तनाव के बीच उत्तर-पश्चिमी सीरिया के इदलिब प्रांत में हथियार और युद्ध से बचे हुए सामान को रखने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे एक अस्थायी डिपो में बुधवार को जबरदस्त धमाका हुआ। सीरियाई सरकारी टेलीविजन के अनुसार, इस दुखद घटना में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। घायलों में सीरियाई रक्षा मंत्रालय के कई सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। यह धमाका उत्तरी इदलिब के ग्रामीण इलाके में सरमाडा शहर के पास बुर्ज अल-नुमरा गांव में हुआ। घटना के तुरंत बाद स्थानीय अधिकारी और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने इदलिब के आपातकालीन और आपदा प्रबंधन निदेशालय के ऑपरेशन कमांडर वलीद असलान के हवाले से कहा कि शुरुआती जांच और आकलन से पता चलता है कि यह जबरदस्त धमाका डिपो में रखे गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री के फटने से हुआ था।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, गुरूवार 10 सितम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

स्मार्ट मीटर से खपत ज्यादा बता रहा, स्मार्ट मीटर सरकार वापस ले - कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। जब यह साबित हो गया है कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली की खपत से ज्यादा रीडिंग आ रही है, तो सरकार इसको तुरंत वापस ले। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि जनता परेशान है, आम परिवारों की जितनी कमाई नहीं है, उससे ज्यादा महीने का बिजली बिल आ रहा है। लोगों का औसत बिल पहले की तुलना में तीन गुना तक बढ़कर आ रहा है।

निगम जोन 7 स्वास्थ्य, नगर निवेश, राजस्व की संयुक्त टीम फील्ड में उतरी

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग, नगर निवेश विभाग, राजस्व विभाग की संयुक्त टीम नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर डॉ तृप्ति पाणीग्रही के मार्गनिर्देशन में फील्ड पर उतरी और जोन क्षेत्र अंतर्गत

रामनगर कर्मा चौक के आसपास क्षेत्र में अभियान चलाकर गन्दगी फैलाने और सड़कों पर कब्जा करने पर सम्बंधित दुकान संचालकों को भविष्य के लिए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए लगभग 35000 रूपये का ई जुर्माना किया.

नगर निगम जोन 7 राजस्व विभाग की टीम द्वारा जोन 7 जोन कमिश्नर डॉ तृप्ति पाणीग्रही के मार्गनिर्देशन में जोन क्षेत्र अंतर्गत कर्मा चौक रामनगर के आसपास के व्यवसायिक भवनों में पुनर्मूल्यांकन की कार्रवाई अभियान चलाकर की. पुनर्मूल्यांकन की कार्रवाई में 1लाख 42414 रूपये की वृद्धि सम्पतिकर में नियमानुसार दर्ज की गयी, बढ़े सम्पतिकर की राशि की प्रक्रिया के अंतर्गत वसूली हेतु सम्बंधित सम्पतिकरदाता नागरिकों को नोटिस नगर निगम जोन 7 राजस्व विभाग ने जारी कर दी और बढ़े हुए सम्पतिकर की अंतर की राशि की नियमानुसार वसूली की कार्रवाई की जा रही है.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

टेंडर नोटिस

(1) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-90-26-27 दिनांकः 01.09.2026 **कार्य का नामः** रायपुर मंडल के ए.डी.ई.एन./भाटापारा के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत रेल्स के लिये एलुमीनो थर्मीक एस.के.वी. प्रक्रिया (आटोमैटिक टैपिंग थिंबल टेक्नालाजी के साथ सिंगल शाट कुसिबल) जिसमे सुपरविजन टुल्स एवं प्लांट तथा कन्जुमेबल आदि वस्तुये शामिल है के द्वारा रेल जोइंट की वेल्डिंग और वेल्डिंग की आपुर्ति। **निविदा मूल्यः** ₹67,32,102/- **ईएमडीः** ₹1,34,700/- **निविदा प्रस्तुत करनाः** 11:00 बजे तक दिनांक 30.09.2026. **निविदा खोलनाः** 11:00 बजे दिनांक 30.09.2026. विस्तृत विवरण/ निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता मानदंड एवं उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया वरिश्ठ मंडल इंजीनियर, समन्वय/ एसईसीआर रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें अथवा हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों का अवलोकन/ डाउनलोड करें।

वरि. मंडल अभियंता-I द.पू.म.रेलवे/ रायपुर
PR/R/ENGG/D360/200
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

(1) निविदा सूचना क्रमांकः- एसएनटी-आर-2026-12 दिनांकः 09.09.2026

कार्य का नामः रायपुर स्थित डी आर एम कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष का सुधार कार्य।
निविदा मूल्यः रू. 5390190.38, **ईएमडीः** रू. 107900.00, **कार्य पूर्णता की अवधिः** 04 (चार) माह। बिडर्स अपना मूल/संशोधित बिड्स केवल 01.10.2026 को 15.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। मैनुअल ऑफर्स इस निविदा के विरुद्ध स्वीकार नही होंगे।
विस्तृत विवरण हमारे वेबसाईट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता
पीआर/आर/एसएंडटी/एएन/205 द.पू.म.रे., रायपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय, नगर पालिका परिषद अमलेश्वर, जिला-दुर्ग (छ0ग0)

क्र./ 418लोनिशा/नपाप/2026 **संशोधित निविदा सूचना** अमलेश्वर, दिनांक 08/09/2026

// मैनुअल पद्धति से द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग छ.ग. में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से अधोसंरचना मद वित्तीय वर्ष 2026-27 एवं अध्यक्ष / पार्षद निधि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त राशि से मैनुअल निविदा फार्म "ए" में प्रतिशत दर पर P.W.D Building SOR 10-06-2026/Road SOR 15-06-2026/Electric SOR 10-06-2026 में पंजीकृत डाक से निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रूपये लाख में)	निविदा विवरण तिथि
01	अधोसंरचना मद अंतर्गत सी.सी. रोड, चबुतरा निर्माण एवं आर.सी.सी नाली कार्य (पृथक-पृथक कार्यों के लिए पृथक-पृथक कुल 03 कार्यों की निविदा)	11.23	निविदा प्रपत्र जमा की अंतिम तिथि एवं समय 25/09/ 2026 को दोपहर 3:00 बजे तक
02 ,	अध्यक्ष / पार्षद निधि अंतर्गत कलामंच निर्माण चबुतरा निर्माण एवं बोरवेल पम्प स्थापना कार्य (पृथक-पृथक कार्यों के लिए पृथक-पृथक कुल 04 कार्यों की निविदा)	9.79	निविदा खोलने की तिथि एवं समय 25/09/2026 को शाम 4:00 बजे तक

टीपः- उपरोक्त निर्माण कार्यो की विस्तृत निविदा शर्ते कार्यालय के लो.नि.शा. से कार्यालयीन समय में प्राप्त / देखी की जा सकती है एवं विभागीय वेबसाईड http://www.cguad.gov.in पर प्राप्त / देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग के वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।
"अपने घर, आसपास एवं नगर को स्वच्छ रखे, शौचालय का उपयोग करें"

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् अमलेश्वर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35138/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35138
वार्ड का नाम-01- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **01** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00097** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHARANJEET KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JASVEER SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHAIL KUMARI GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDAN KUMAR GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35045/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35045
वार्ड का नाम-01- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **01** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801P00406** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MIRZA AFZAL BEG** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MIRZA AZIZ BEG** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. RANJIT SINGH S/O BALWINDER SINGH 2. HARJIT SINGH S/O BALWINDER SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35078/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35078
वार्ड का नाम-01- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **01** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801R0345B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. JAMUNA BAI CHOPKAR W/O LT. MOHAN CHOPKAR 2.RAJESH CHOPKAR S/O LT. MOHAN CHOPKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. REKHA CHOPKAR W/O LT. LALIT CHOPKAR 2. TIKESH CHOPKAR S/O LT. LALIT CHOPKAR 3. SHREYA CHOPKAR D/O LT. LALIT CHOPKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, बी - 1, पटवारी द्वारा जारी आदेश** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35214/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35214
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652J0763A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL SHIV KUMAR DHIWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **FEKU RAM DHIWAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHIV PRKASH DHIWAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **FEKU DHIWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र व सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35208/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35208
वार्ड का नाम- 52 -डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J01231** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAJALA NAJAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAWAB NAJAR USMANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. VEENA RANI SHERWANI 2. PREET SHERWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. SUSHIL KUMAR SHERWANI 2. ANAND LAL SHERWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35218/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35218
वार्ड का नाम- 52 -डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446S00627** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JITENDRA KOCHE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARESH KOCHE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ARSHI SOHAIL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMAD SOHAIL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./35209/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35209
वार्ड का नाम- 52 -डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446S00150** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MS SUN AND SUN INFRAGETIC** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 MANOJ MANTRI 2. INDER CHAND MANTRI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. INDER CHAND MANTRI 2. SW. ROOP CHAND MANTRI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./35069/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35069
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **17** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109D00299** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VINOD DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O BALBHADRA DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GOVIND VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE. BENI VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./35236/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35236
वार्ड का नाम-43-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **43** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758A00021** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HIRA SINGH CHOUHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BISAHU RAM CHOUHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **भावेश सिंह चौहान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. मुकेश चौहान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./35247/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35247
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **44** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757E00132** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MONIKA BHATTACHARYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVASHISH BHATTACHARYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **चंपा बेनर्जी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति स्व. ए. के. बनर्जी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./35245/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35245
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **44** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757D00049** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. DEEPAK BRAHA S/O LATE. HEERALAL BRAHA, 2. PURDENDRA BRAHA S/O LATE. HEERALAL BRAHA, 3. RAHUL BRAHA S/O LATE. NAND KISHOR BRAHA, 4. SAURABH BRAHA S/O LATE. SUERSH BRAHA, 5. SAPNA (CHITRA KASAR) W/O LATE. NAVEEN KASAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMA RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **लक्ष्मीकांत तिवारी, विकास तिवारी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनो पिता गंगासागर तिवारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./34994/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34994
वार्ड का नाम-39- ठाकुर प्यारे लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **39** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी- आई.डी.- **RPR560C00257** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RITA CHATARJI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ALOK CHATARJI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAM KUMAR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DAYALU PRASAD SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /35220/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35220
वार्ड का नाम- 8 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **8** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226J0382D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUNNI BAI DAHARIYA, SUNAINA DAHARIYA, YASHWANT DAHARIYA GOPI RAM DAHARIYA, JAGESHWAR DAHARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. मनीराम डहरिया स्व. धनीराम डहरिया, स्व. इतवारी डहरिया** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **देवकी सिन्हा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **कमलेश सिन्हा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र और पत्र बंटवारा नामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./35118/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35118
वार्ड का नाम-31 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **31** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328J00190** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMAVTAR SHARMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **ANANDDHAR SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1.ANJANI SHARMA 2. PRAKHAR SHARMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. W/O RAMAWATAR SHARMA 2. S/O RAMAWATAR SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MUTATION IN REVENUE RECORD** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./35240/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35240
वार्ड का नाम- 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **3** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104K00157** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. BHUKHAN TANDAN 2. SHATRUHAN TANDAN S/O BISRU TANDAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BISRU TANDAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHUKHAN TANDAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE BISRU TANDAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **B1, BATWARA NAMA** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./35241/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35241
वार्ड का नाम- 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **3** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR803F00177** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DALESHWARI PATLE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE JANAK LAL PATLE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RANJEET SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O BALBHADRA SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAPATH PATRA, MALBA BIKRI NAMA** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./35250/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35250
वार्ड का नाम- 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **3** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K0305Z** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAHENDRA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE KHEMURAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHIV SHANKAR GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O KANHAIYA LAL GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./35107/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35107
वार्ड का नाम- 4 यतीयतनलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **4** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104I00101** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUNITA RAMTEKKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KESHAV RAMTEKKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAYA TRIPATHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O CHANDRABHAN TRIPATHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./35251/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35251
वार्ड का नाम- 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **3** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K305AA** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIRENDRA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE KHEMURAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHISH BHUMESHWAR RAWTE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O BHUMESHWAR RAWTE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./35239/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35239
वार्ड का नाम- 18 बाल गंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **18** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110C0024A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURESH NAIR S/O HEMMAS NAIR, GIRJA NAIR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURESH NAIR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRASANNA SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O RAJENDRA SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./12167/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12167
वार्ड का नाम- 52 -डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **52** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446M00908** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURENDRA VERMA, SAVITRI VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. TEJRAM VERMA SURENDRA VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. RALLAPALLI KRISHNAVENI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI RALLAPALLI VATSALYA MURTY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./35217/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35217
वार्ड का नाम-25- संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **25** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818F00131** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ AGRAWAL S/O RADHESHYAM AGRAWAL, SMT. BEBY AGRAWAL W/O MANIJ AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT SAVITRI RAJAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI DINESH KUMAR RAJAK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, गुरूवार 10 सितंबर 2026

जगदलपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग में इंद्रावती से गोरिया बहार तक खिलेगी हरियाली, 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान में होगा वृहद पौधरोपण

2700 से अधिक पौधों के रोपण की तैयारी पूरी,महापौर संजय पांडे ने किया स्थल निरीक्षण

10 सितंबर को जनजातीय गौरव वाटिका के सामने हरित राष्ट्रीय राजमार्ग पौधरोपण कार्यक्रम ,महापौर संजय पाण्डेय ने शहरवासियों से सहभागिता की अपील

जगदलपुर (विश्व परिवार)। पर्यावरण संरक्षण और शहर को हराभरा बनाने के संकल्प के साथ नगर पालिक निगम जगदलपुर द्वारा एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान के तहत हरित राष्ट्रीय राजमार्ग पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 10 सितंबर 2026, गुरुवार को सुबह 8:30 बजे जनजातीय गौरव वाटिका, कुम्हड़ाकोट के सामने आयोजित होगा।

कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप करेंगे। वहीं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, नगर पालिका निगम सभापति खेमेंसिंह देवांगन सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक सहभागी बनेंगे।

महापौर संजय पांडे ने स्थल निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा- इस आयोजन को भव्य रूप से संपन्न बनाने बुधवार को महापौर संजय पांडे ने इंद्रावती से गोरिया बहार तक स्थल निरीक्षण किया और तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया । इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। ज्ञात रहे कि गुरुवार को होने वाले पौधारोपण की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर इंद्रावती से गोरिया बहार तक स्थित डिवाइडर को रंग रोगन कर उसे आकर्षक रूप दिया गया है ।

इसी स्थान ओर वन विभाग , राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नगर पालिक निगम जगदलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 2700 से अधिक पौधों का रोपण किया जायेगा ।

हरित और सुंदर जगदलपुर की दिशा में बड़ा कदम - महापौर संजय पाण्डेय- इस पौधारोपण के परिपेक्ष्य में महापौर संजय पांडे ने कहा कि जगदलपुर का विकास केवल सड़कों, नालियों और बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि एक सुंदर, स्वच्छ और हरित शहर का निर्माण भी हमारे समग्र विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के माध्यम से हम जगदलपुर की हरित पहचान को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों और शहर के प्रमुख मार्गों के किनारे पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण के साथ शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी। हमारा प्रयास है कि जगदलपुर में बेहतर सड़कें, व्यवस्थित यातायात, स्वच्छ वातावरण, विकसित नागरिक सुविधाएं और पर्याप्त हरियाली,इन सभी का संतुलित विकास हो। नगर निगम जगदलपुर शहर के समग्र एवं दीर्घकालीन विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हम चाहते हैं कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाले वर्षों में जगदलपुर की पहचान बने। शहरवासियों की सहभागिता से ही 'विकसित और हरित जगदलपुर' का संकल्प साकार होगा। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि पौधरोपण को केवल एक कार्यक्रम न मानकर उसकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएं।

वन विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के संयुक्त सहयोग से आयोजित यह अभियान जगदलपुर को हरित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल शहर बनाने की दिशा में नगर निगम की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

संक्षिप्त समाचार

पटाखा विक्रय के अस्थाई लाइसेंस हेतु 10 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-दीपावली पर्व के अवसर पर पटाखा विक्रय हेतु अस्थाई पटाखा लाइसेंस के लिए इच्छुक आवेदक 10 सितम्बर से 10 अक्टूबर 2026 तक नजदीकी लोक सेवा केन्द्र/च्वाईस सेंटर से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ नवीनतम पासपोर्ट साइज फेटोयुक्त प्रारूप ए.ई.-5, जीएसटी प्रमाण पत्र, नोटराइज्ड शपथ पत्र, पैन कार्ड एवं आधार कार्ड/फेटोयुक्त पहचान पत्र संलग्न करना होगा। अपूर्ण एवं निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

रामानुजनगर जनपद पंचायत सीईओ के प्रभार में बदलाव, आर.एस. सेंगर को मिली जिम्मेदारी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जनपद पंचायत सीईओ रामानुजनगर श्री अभिषेक पांडे को जिला पंचायत सूरजपुर में संलग्न करते हुए प्रभारी सीईओ श्री आर एस सेंगर को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त प्रभारी सीईओ जनपद पंचायत रामानुजनगर के पद पर कार्य करने हेतु आदेशित किया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में छत्तीसगढ़ शासन, आदिम जाति विकास विभाग, रायपुर से जारी आदेश के जनपद पंचायत अंबिकापुर में पदस्थ प्रभारी सीईओ श्री आर.एस. सेंगर को रामानुजनगर जनपद पंचायत का प्रभारी सीईओ के पद पर स्थानांतरण किया गया है।

साइबर जागृति अभियान तेज: स्मार्टफोन प्राइवेसी और सेफ ब्राउजिंग को लेकर पुलिस ने किया जागरूक, 1930 पर शिकायत की अपील

कोरबा। साइबर अपराधों से बचाव और आम नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस का साइबर जागृति अभियान लगातार जारी है। अभियान के चतुर्थ सप्ताह में सोमवार को जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान नागरिकों, विद्यार्थियों, महिला समूहों, बैंकिंग संस्थानों और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को साइबर फ्रॉड से बचने के महत्वपूर्ण तरीके बताए गए। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले और नितीश ठाकुर के निर्देशन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रमों में खासतौर पर स्मार्टफोन प्राइवेसी, सेफ ब्राउजिंग, फ्रॉड, बैंकिंग फ्रॉड और ऑनलाइन ठगी से संबंधित जानकारी दी गई।

अलग-अलग स्थानों पर पहुंची पुलिस टीम- अभियान के तहत कोतवाली थाना क्षेत्र में जैन भवन पुराना बस स्टैंड, श्यांग के हायर सेकेंडरी स्कूल चिर्र और महिला थाना क्षेत्र में जेपी हाई स्कूल कोरबा में जागरूकता कार्यक्रम हुए। सीएसईबी चैकी पुलिस ने बुधवारी बाजार और सरईपारा कोहड़िया में लोगों को साइबर अपराध से बचाव के तरीके बताए। बालको क्षेत्र में चेकपोस्ट, व्यावसायिक परिसरों, राम मंदिर के सामने, मास्टर क्लास, मिनीमाता नगर, एकता नगर, लालघाट, प्रोजेक्ट गेट, ओएस कॉलोनी, रिंग रोड, बेलगाड़ी नाका, मटेरियल गेट, आलूवालिया गेट और जुबिली पार्क सहित विभिन्न स्थानों पर लोगों को जागरूक किया गया। इसी तरह कुसमुंडा के चुनचुनी हाई स्कूल और माध्यमिक शाला नारायणबोध, बांकीमोंगरा के एसबीआई तथा सीसीएल कर्मचारियों के बीच भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

यूपीआई और बैंक फ्रॉड से बचने बताए जरूरी उपाय- उरगा थाना परिसर, कनकी, तरदा बाजार, उरगा चैक और भैंसमा चैक में पुलिस टीम ने लोगों को साइबर ठगी के नए तरीकों के बारे में जानकारी दी। पताडी स्थित अडानी पावर प्लांट, रजगामार थाना, मानिकपुर चैकी क्षेत्र के आश्रम मुड़पार, दीपका के श्रमिक चैक, सीएचसी हॉस्पिटल, गेवरा चैक और प्रगतिनगर में भी जागरूकता कार्यक्रम हुए। दर्री क्षेत्र के फर्टिलाइजर बस्ती शिव मंदिर के पास, हरदीबाजार के कोलबसरी, रानी पेट्रोल पंप, धतूरा और मेड़पार सहित पाली क्षेत्र के मादनपाली और कोसाबाड़ीपाली में भी पुलिस ने नागरिकों को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया।

ओटीपी, यूपीआई, पीआईएन और पासवर्ड साझा न करने की समझाइश- पुलिस ने नागरिकों को स्पष्ट रूप से समझाइश दी कि ओटीपी, यूपीआई, पीआईएन पासवर्ड, बैंक खाते से जुड़ी जानकारी और अन्य गोपनीय विवरण किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। इसके अलावा अनजान लिंक पर क्लिक करने, फर्जी कॉल का जवाब देने, संदिग्ध फाइल डाउनलोड करने और फर्जी वेबसाइट पर अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी दर्ज करने से बचने की अपील की गई।

प्रेमनगर के गांवों को उजड़ने से बचाने हेतु तारा जंगल बचाओ आंदोलन का करेंगे शुरुआत -शशि सिंह

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर जिले के प्रेमनगर क्षेत्र में जल, जंगल, जमीन और ग्रामीणों के भविष्य पर खनन का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। प्राकृतिक विरासत, आजीविका और संस्कृति की रक्षा के लिए जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने ग्रामीणों को एकजुट होकर व्यापक आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है।

तारा, जनार्दनपुर, कांटारोली और मेंडरा पंचायतों सहित सलका, चन्दनगर, अभयपुर और शिवनगर जैसे ग्राम पंचायत खनन की तैयारियों से सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों का स्पष्ट कहना है कि हमें खनन नहीं, विकास चाहिए।

संघर्ष का मुख्य उद्देश्य- प्रेमनगर की धरती, जंगलों और जमीन को किसी भी कीमत पर उजड़ने से बचाना। स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका, संस्कृति, परंपराओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सुरक्षा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने कहा न जंगल उजड़ने देंगे, न जमीन छिनने देंगे के संकल्प के साथ लोकतांत्रिक तरीके से अंतिम दम तक संघर्ष करना।

महत्वपूर्ण बैठक का आह्वान- इस जन-आंदोलन को आगे बढ़ाने और रणनीति तैयार करने के लिए तारा रेस्ट हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है जिसमे पूर्व विधायक भानुप्रताप सिंह, इस्माइल ख़ान, अशोक जगते, मेहंदी यादव, अविनाश साहू,समर्थत प्रजापति, साधना समेत खनन प्रभावित क्षेत्रों के मुखिया पंचायत के सरपंच स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

स्वामी आत्मानंद हिंदी मध्य विद्यालय बिश्रामपुर में शिवनंदनपुर के अध्यक्ष एवं विश्रामपुर नगर पंचायत के अध्यक्ष ने कन्याओं के मध्य साइकिल वितरण किया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-आज स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय विश्रामपुर में शासन की महत्वाकांक्षी योजना सरस्वती साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत कक्षा नवमी की 23 छात्रों को साइकिल का वितरण किया गया। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विश्रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला यादव,, पूर्व नगर पंचायत बिश्रामपुर के पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव , शिवनंदनपुर नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल, पार्षद रविशंकर बउआ,श्री अमरेश प्रसाद, श्यामू साहू, रविंद्र विश्वकर्मा, विश्रामपुर नगर पंचायत के एल्डरमैन सतीश तिवारी तथा अवनीश सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती भगमनिया सोनवानी ने की जो शाला विकास समिति की अध्यक्ष हैं। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया गया,इसके पश्चात विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुचित्रा खालको द्वारा विद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें उन्होंने विद्यालय की उन्नति के लिए अपनी रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नगर पंचायत से शिवनंदनपुर के नगर अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने शासन की सभी योजनाओं के बारे में बताया,साथ ही मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति दिए जाने की बात कही। इसके पश्चात अतिथियों ने साइकिल प्राप्त करने वाले बालिकाओं को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया और उन्हें नई साइकिल मिलने की बधाई थी इसके पश्चात सभी अतिथियों द्वारा छात्राओं को साइकिल का वितरण किया गया। नई साइकिल से छात्राओं ने विद्यालय के मैदान परिसर का चक्कर लगाए और बहुत प्रसन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता सुनील सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा विद्यालय छात्र संघ की छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

मेहनत और संकल्प बना सफलता की राह, सेल्फ स्टडी से रोहन ने किया नीट क्वालीफाई

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)सपनों की उड़ान के लिए माध्यम नहीं, बल्कि मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प मायने रखता है। ऐसे ही सूरजपुर के पीएम श्री सेजेस अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नवापारा के पूर्व छात्र रोहन विश्वकर्मा ने अपनी मेहनत से नीट में सफलता हासिल की है। रोहन ने प्रारंभिक शिक्षा हिन्दी माध्यम से प्राप्त की तथा कक्षा 11वीं और 12वीं की पढ़ाई पीएम श्री सेजेस विद्यालय से पूरी की और अब अपनी मेहनत से प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परीक्षा नीट में क्वालीफाई किया है।

ग्राम पंचायत नेवरा के निवासी रोहन किसान परिवार से है और उन्होंने बड़े सपने और उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास किया उन्होंने परिस्थितियों को अपनी राह की बाधा नहीं बनने दिया और लक्ष्य को सामने रखकर लगातार मेहनत की। रोहन ने सेल्फ स्टडी कर आत्मविश्वास और मेहनत के साथ आगे बढ़ते रहे। परिणामस्वरूप नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सफलता हासिल कर रोहन ने अपने परिवार के साथ-साथ अपने विद्यालय का नाम भी रोशन किया। रोहन कहते है कि निरंतर मेहनत से किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। रोहन की सफलता अब विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन गई है।

बेटियां पढ़ेंगी,आगे बढ़ेंगी और आत्मनिर्भर बनेंगी, यही सरकार का संकल्प : महेश कश्यप

बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने में सरस्वती सायकिल योजना महत्वपूर्ण पहल : महेश कश्यप

सरस्वती सायकिल योजना से बालिकाओं को मिली शिक्षा की राह आसान करने वाली सौगात

जगदलपुर। सरस्वती सायकिल योजना के अंतर्गत हॉटगुडा संकुल के साथ साथ परचनपाल एवं करमरी में अध्ययनरत बालिकाओं को नि:शुल्क सायकिलों का वितरण किया गया। इस दौरान अतिथियों का परम्परागत रूप से वाद्ययत्रो पुष्प वर्षा व तिलक कर किया गया द्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की तेलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर साईकिल वितरण कर किया गया द्य इस दौरान अतिथितो ने बालिकाओं पर पुष्पवर्षा कर और निरंतर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया द्य

सांसद महेश कश्यप ने कहा कि राज्य शासन की सरस्वती सायकिल योजना छात्राओं की शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सायकिल मिलने से दूर दराज से विद्यालय आने वाली बालिकाओं के लिए आवागमन सुगम होगा तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने में सुविधा मिलेगी। जनपद अध्यक्ष पदलाम नाग ने कहा बालिकाओं की शिक्षा,सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। शिक्षा के माध्यम से बेटियां आत्मनिर्भर बनें और अपने सपनों को साकार करेंद्य कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में नि:शुल्क सायकिल प्राप्त करने को लेकर उत्साह देखने को मिला। जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरूवार 10 सितंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

नीति में उचित बदलाव लाए

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति के गंभीर परिणाम सामने होने के बावजूद सरकार में इस नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि वह इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न ना बनाए। केंद्र के इस दावे पर यकीन करना कठिन है कि चीनी आयात के फैसले का पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से कोई संबंध नहीं है। अभी हाल तक अच्छी फसल वाले साल में भारत 70 लाख टन तक चीनी का निर्यात करता था। अब दस लाख टन चीनी आयात करने की नौबत आई है। गणित सीधा है। खबरों के मुताबिक 28 फीसदी इथेनॉल का उत्पादन गन्ने से हो रहा है। अनुमान है कि जितना गन्ना इसमें लगा, उससे 30 लाख टन चीनी बन सकती थी। ऐसा होता, तो देश में मांग की तुलना लगभग 20 लाख टन अतिरिक्त चीनी उपलब्ध रहती। इसलिए इस धारणा में दम है कि वाहनों में ईंधन के रूप इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की गुमराह नीति विदेशी मुद्रा की किल्लत के दौर में चीनी जैसी सामान्य वस्तु के आयात के लिए जिम्मेदार है। लेकिन बात यहीं तक नहीं है। चावल जैसे आम अनाज का भी इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल बढ़ रहा है। खबरों के मुताबिक बीते अप्रैल-जुलाई के बीच भारतीय खाद्य निगम ने इस मकसद से 23.42 लाख टन चावल बेचा। वित्त वर्ष 2025-26 में इससे दो गुना चावल इसके लिए बेचा गया था। इस रुझान में किस तेजी से वृद्धि हुई है, इसे जानने के लिए इस पर गौर करना पर्याप्त होगा कि 2023-24 तक महज 8.96 लाख टन चावल का इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हुआ था। इस उद्देश्य के लिए मक्के का उपयोग भी बढ़ा है। संभवत: ऐसी ही सूचनाओं से चिंतित होकर कुछ रोज पहले नरेंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागश्वेरन ने एक अखबार में लेख लिख कर अपनी चिंता जताई थी। उन्होंने इथेनॉल उत्पादन में बड़े पैमाने पर पानी के इस्तेमाल को लेकर भी आगाह किया था। तब तक चीनी आयात का फैसला सामने नहीं आया था। अब चूंकि इथेनॉल का यह परिणाम सामने है, तो बाकी चिंताएं भी अधिक गंभीर हो गई हैं। मगर सरकार के अंदर पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि बिना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाए वह तुरंत इस नीति में उचित बदलाव लाए।

हीरे से लेकर हथियारों तक,बनाया बड़ा गेम प्लान

नीरज कुमार दुबे

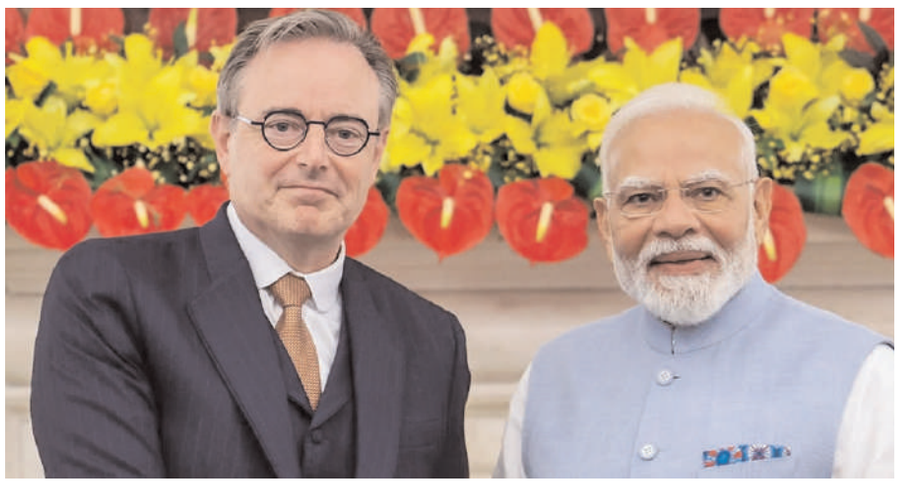

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूरत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रोडमैप तैयार कर दिया है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है। हम आपको बता दें कि भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरुआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरुआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है। लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रुसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत-बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है। इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत-ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन-केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है। बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया-बेल्जियम इन्वेस्टमेंट फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संप्रभु निवेश संस्था एसएफ्मीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफके बीच सहयोग से एक संभावित भारत-बेल्जियम आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने साफकहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इसके अलावा, भारत-बेल्जियम संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दिखाई देता है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच हस्ताक्षरित लेटर ऑफइंटेंट नियमित सैन्य संवाद, स्टाफ वार्ता, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रक्षा औद्योगिक साझेदारी का ढांचा तैयार करेगा। दोनों देश रक्षा सह-विकास और सह-उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत रक्षा उपकरणों, विशेष रूप से जोरावर टैंक जैसे क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया। साथ ही बेल्जियम का नई दिल्ली में रक्षा अताशे नियुक्त करना और भारत का ब्रुसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त करने का फैसला रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत है। बेल्जियम का युद्धपोत एलईओपोल्ड 1 नवंबर 2026 को भारत आएगा। यह मात्र नौसैनिक दौरा नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का संकेत है। इसके अलावा, भारत और बेल्जियम ने आतंकवाद के खिलाफ भी मजबूत साझा रुख अपनाया है। बेल्जियम ने पहलगाम में 2025 के आतंकी हमले की निंदा दोहराई और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई। दोनों देशों ने आतंकवाद, उसके सुरक्षित ठिकानों और वित्तपोषण के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस के बीच समझौता संगठित अपराध और साइबर अपराध के खिलाफ सहयोग को नई ताकत देगा। सूचना साझा करने, भगोड़ों का पता लगाने और क्षमता निर्माण में यह समझौता महत्वपूर्ण होगा। साथ ही हरित ऊर्जा सहयोग भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि है। नवीकरणीय ऊर्जा पर नए एमओयू के तहत ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन ऊर्जा, बायो-एनर्जी और पंप्ड स्टोरेज में सहयोग बढ़ेगा। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर परिवहन, भंडारण और अंतिम उपयोग तक पूरी वैल्यू चेन में साझेदारी की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में विकसित हो रहे विशाल ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट का भी उल्लेख किया। समुद्री और बंदरगाह सहयोग भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। एंटवर्प और फ्लैंडर्स की बंदरगाह विशेषज्ञता, भारत के तेजी से विकसित होते बंदरगाह नेटवर्क और हिंद महासागर में भारत की भूमिका मिलकर नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं। लॉजिस्टिक्स, ड्रेजिंग, बंदरगाह विकास और अपतटीय पवन ऊर्जा में बेल्जियम की विशेषज्ञता भारत के लिए उपयोगी हो सकती है। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। बेल्जियम ने एक बार फिर विस्तारित और सुधारित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। दोनों देशों ने एक-दूसरे की अस्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया। यूक्रेन और पश्चिम एशिया पर दोनों देशों ने संवाद और कूटनीति के जरिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता पर जोर दिया। यह भारत की उस विदेश नीति के अनुरूप है जो किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनने के बजाय संवाद, बहुपक्षवाद और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देती है।

आलेख

राम मंदिर और तीन तलाक दोनों चुनाव प्रचार का मुद्दा

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की उन उपलब्धियों की बात करें, जो सचमुच बताने लायक हैं या जिन्हें सही अर्थों में उपलब्धि कह सकते हैं तो उसमें सबसे पहले जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और अनुच्छेज 35ए हटाने का फैसला है। हालांकि इन्हें हटाने से पहले भी इनका असर बहुत कम रह गया था। फिर भी इन दोनों को हटाना बड़ा फैसला था। अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य का विभाजन करने के बाद वहां शांति बनाए रखना और आतंकवादी घटनाओं को तुलनात्मक रूप से कम कर देना बड़ी उपलब्धि है। हालांकि उसके बाद जो बदलाव होने चाहिए थे और जम्मू कश्मीर को जिस तरह भारत की मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए था वह नहीं हो सका। इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए एक वास्तविक उपलब्धि है। जिस तरह दुनिया में यहूदियों के लिए एक देश इजराइल है वैसे ही हिंदुओं के लिए एक देश भारत है। इसलिए यह कानून होना चाहिए कि अगर कोई हिंदू कहीं से प्रताड़ित होकर भारत आता है तो उसे नागरिकता मिले। इस दिशा में सीएए से एक पहल हुई। हालांकि यह कानून सिर्फ पड़ोस के इस्लामिक देशों से आने वाले गैर मुस्लिमों के लिए है फिर भी यह अच्छी पहल है। हालांकि सरकार ने कानून बनाने के बाद पांच साल तक इसके नियम अधिसूचित नहीं किए और जब किए भी तो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए गैर हिंदुओं को नागरिकता देने की रफ्तार बहुत धीमी और प्रक्रियागत परेशानियां ज्यादा हैं। ऐसे ही राम मंदिर के निर्माण को कम से कम भाजपा के नजरिए से उपलब्धि कह सकते हैं क्योंकि भाजपा ने इसे दशकों पहले अपना राजनीतिक मिशन बनाया था। हर चुनाव में घोषणापत्र में इसे शामिल किया जाता था। भले जमीन का फैसला सुप्रीम कोर्ट ने किया लेकिन यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि केंद्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार आने के बाद मंदिर निर्माण का काम आसान हो गया। अदालत के फैसले के बाद रिकॉर्ड टाइम में इसे बनाया गया। हालांकि आने वाली पीढ़ियों के लिए इसमें भी स्मृति चढ़ावा चोरी की रहेगी। मुस्लिम महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए तीन तलाक खत्म करने और उसे अपराध बनाने का कानून भी एक बड़ा सुधारवादी कदम है। इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए एक वास्तविक उपलब्धि है। जिस तरह दुनिया में यहूदियों के लिए एक देश इजराइल है वैसे ही हिंदुओं के लिए एक देश भारत है। इसलिए यह कानून होना चाहिए कि अगर कोई हिंदू कहीं से प्रताड़ित होकर भारत आता है तो उसे नागरिकता मिले। इस दिशा में सीएए से एक पहल हुई। हालांकि यह कानून सिर्फ पड़ोस के इस्लामिक देशों से आने वाले गैर मुस्लिमों के लिए है फिर भी यह अच्छी पहल है। हालांकि सरकार ने कानून बनाने के बाद पांच साल तक इसके नियम अधिसूचित नहीं किए और जब किए भी तो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए गैर हिंदुओं को नागरिकता देने की रफ्तार बहुत धीमी और प्रक्रियागत परेशानियां ज्यादा हैं।हालांकि राम मंदिर और तीन तलाक दोनों भाजपा के लिए चुनाव प्रचार का मुद्दा हैं।

विकास के आंकड़ों की जांच-परख....

डॉ. सौरभ गर्ग और डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

अभिषेक आनंद, जोश फेल्मन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है। बेशक, यह एक उचित सवाल है। इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है। समय से ही शुरुआत करते हैं। इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी। इससे ठीक पहले ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था। तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया। हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई। मई आते-आते दबाव के बदल छंट गए। जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था। तीन महीने वाली तिमाही की शुरुआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मनगढ़ंत नहीं बना देते। उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं। ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई। एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई। जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2025-26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 'नॉमिनल जीडीपी' में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग-अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक-दूसरे से मेल खाते हैं। जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं। ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाता है। अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया। वर्ष 2022-23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है। एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। दिवाला संहिता ने डूबे हुए कर्ज (बैड डेट) से निपटने के बैंकों और कंपनियों के तौर-तरीकों को बदल दिया। रियल एस्टेट कानून ने उस सेक्टर को साफ-सुथरा बनाया, जो कभी अटकी हुई परियोजनाओं और पैसे के अपारदर्शी लेन-देन के लिए जाना जाता था। 'द इकोनॉमिस्ट' ने 2023 में उस सफाई अभियान का उल्लेख किया था। उसने नई दिल्ली पर कोई मेहरबानी नहीं की थी। इसके बाद, तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से निपटने के लिए सरकार ने जो कुछ किया, वह भी सामने है। उसने कीमतों में हुई बढ़ोतरी का बोझ आम परिवारों और कंपनियों पर नहीं डाला। उसने इसकी लागत खुद वहन की। राजकोषीय गुंजाइश (फिस्कल स्पेस) का उद्देश्य ही यही है और भारत ने इसे तैयार किया है। इसका सबूत 2 सितंबर को मिला। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए-कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई। इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंट्री सीलिंग) को भी ए कर दिया। भारत को तीन दशकों से अधिक समय से 'ए' रेटिंग नहीं मिली है। एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी, दिवाला संहिता और सकल गैर-निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया। उसने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने उच्च पूंजीगत व्यय को जारी रखते हुए भी अपने राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी के 4.7 प्रतिशत से घटाकर वित्तीय 2026 में 4.4 प्रतिशत कर लिया। टोक्यो स्थित एक रेटिंग समिति के लिए दिल्ली में किसी को खुश करने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने भी उन्हीं सुधारों को देखा और वही नतीजा निकाला। अब आलोचना के मुख्य बिंदु पर आते हैं। लेखकगण पूछते हैं कि अगर आज ये संकेतक 7.8 प्रतिशत की विकास दर को सही ठहराते हैं, तो पूर्व के वर्षों में वैसी ही विकास दर कमजोर संकेतकों के साथ क्यों संभव हुई थी? यह मान लेना कि विकास हमेशा एक जैसी चीजों से ही संभव होती है, जरूरी नहीं है। निर्यात और औपचारिक ऋण से प्रेरित तिमाही, घरेलू खर्च या सरकारी निवेश से चलने वाले वर्ष जैसी नहीं होगी। पूर्व के वर्षों में विकास के अपने कारण थे, जो उस समय साफ दिख रहे थे। वर्ष 2024-25 तक, शेयर बाजार तेजी से चढ़ा और अधिक संख्या में भारतीयों ने निवेश करना शुरू किया। वर्ष 2022-23 और 2024-25 के बीच परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में 60 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। गैर-बैंक और तकनीक-आधारित ऋणदाता तेजी से बढ़े। वाणिज्यिक क्षेत्र में कुल संसाधनों का प्रवाह तीन वर्षों में 72 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें गैर-बैंकों की हिस्सेदारी 96 प्रतिशत बढ़ी। ये असली कारण थे। बस, वे अलग थे। मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए बकाया ऋण में 66.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जुलाई 2026 में भी यह बढ़ोतरी लगभग 25 प्रतिशत की दर से जारी थी। ऐसा कहा जाता है कि ऊर्जा की कीमतों में अचानक उछाल से छोटी कंपनियों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। लेकिन उन्हें ऋण देने वाले इस बात से सहमत नहीं दिखते। ऋणदाता आम तौर पर उन कंपनियों को ऋण नहीं देते, जिनके असफल होने की आशंका होती है। लेखकों के तर्क की तह में यह बात छिपी है कि सांख्यिकी मंत्रालय का काम सरकार की छवि को बेहतर दिखाना है। लेकिन आंकड़े इस बात की पुष्टि नहीं करते।

पंजाब के मान सरकार में अनाज घोटाले की गूंज

उमेश चतुर्वेदी

ऐसे में सवाल यह उठता है कि पंजाब की भगवंत मान सरकार पर अनाज घोटाले का आरोप कैसे चस्पा हो रहा है। राज्य को भ्रष्टाचार और नशा मुक्त करने के नारे के साथ सत्ता में आई पंजाब की भगवंत मान सरकार ने दरअसल इस भगोड़े अधिकारी के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई करती नजर नहीं आ रही है।आम आदमी पार्टी के गठन का प्रमुख उद्देश्य भ्रष्टाचार से राजनीति को मुक्त करके उसमें शुचिता लाना था। लेकिन क्या आम आदमी पार्टी इस उद्देश्य में सफल रही। पंजाब सरकार पर काबिज आम आदमी पार्टी के रवैये से तो ऐसा नहीं दिख रहा। बल्कि वह पिछली कांग्रेसी सरकार के भ्रष्टाचार की धारा को ही आगे बढ़ाती दिख रही है। यह कहना है कि राज्य के अनाज आपूर्ति घोटाले के व्हिसल ब्लोअर गुरप्रीत सिंह का। गुरप्रीत सिंह का आरोप है कि इन घोटालों से राज्य को हजारों करोड़ का चूना लगा है। इससे हुई कमाई की बंदरबाट राज्य के मंत्रियों और ताकतवर अफसरों के बीच हुई है। बीते अप्रैल में राज्य के बीजेपी प्रमुख सुनील जाखड़ ने भी पंजाब सरकार पर आरोप लगाया था कि अनाज रखने वाली बोरियों की खरीद में भारी घोटाला किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य में 22 रूपए की दर से बोरी मिल रही थी, लेकिन आम आदमी पार्टी सरकार ने उसे तकरीबन दोगुने यानी 43 रूपए 89 पैसे की दर से खरीदा। इस घोटाले की उन्होंने जांच की मांग की थी। हालांकि बीजेपी अभी चुप है, लेकिन आने वाले दिनों में उसकी चुप्पी टूट सकती है। खोजीडॉक्यूमेंट्री देखें दिल्ली के शराब घोटाले की तर्ज पर उसकी पंजाब सरकार पर अनाज खरीद घोटाले के आरोप लग रहे हैं। वैसे आरोप पुरानी कांग्रेस सरकार पर लगे थे। राज्य में नई सरकार आने के बाद आम आदमी पार्टी की जिम्मेदारी थी कि इसे रोके और उचित कानूनी उपाय करे। लेकिन जिस तरह से इस मामले की अनदेखी राज्य की मौजूदा सरकार कर रही है, उससे लगता नहीं कि वह इस मामले में ईमानदार है। ह्विसल ब्लोअर गुरप्रीत सिंह का कहना है कि इस सिलसिले में वे अधिकारियों और मंत्रियों से कई बार मिले, लेकिन बात कहीं से आगे बढ़ती नहीं दिख रही। राज्य में विधानसभा के चुनाव की उलटी गिनती शुरू होने में देर है। लेकिन जिस तरह अनाज घोटाले को लेकर पंजाब की सरकार को घेरने की कोशिश हो रही है, उसके संकेत साफ हैं। आने वाले विधानसभा चुनावों में पंजाब की भगवंत मान सरकार के लिए इसका जवाब देना आसान नहीं होगा। फिलहाल इस मुद्दे को राज्य के विपक्षी दल तूल देते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन इसकी गारंटी नहीं है कि आने वाले दिनों में, जब राज्य के विधानसभा चुनाव सिर पर होंगे, विपक्षी दल इस मामले में चुप बैठेंगे। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब की ख्याति खेती-किसानी के लिए रही है। यहां की करीब तीन चौथाई आबादी सीधे या फिर परोक्ष रूप से खेती-किसानी से जुड़ी हुई है। जाहिर है कि यहां के लोगों के लिए खेती-किसानी ना सिर्फ जीवन रेखा है, बल्कि भावनात्मक मुद्दा भी है। इसलिए आने वाले दिनों में अगर अनाज घोटाले की तासीर बढ़ने लगे तो हैरत नहीं होनी चाहिए। पंजाब के कृषि उपज घोटाले के तार पिछली कांग्रेस सरकार से जुड़ते हैं। कांग्रेस की सरकार रहते राज्य के खाद्य और आपूर्ति विभाग से जुड़ी निविदाओं में जमकर धांधली हुई थी। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद राज्य के विजिलेंस विभाग ने साल 2022 में लुधियाना में एफआईआर दर्ज की थी। इसकी जांच के दौरान कांग्रेसी सरकार के मंत्री रहे भारत भूषण आशु, ठेकेदार तेलू राम समेत खाद्य और आपूर्ति विभाग के कई अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई थी। इसी मामले के एक आरोपी जूनियर अधिकारी राकेश सिंगला भगोड़ा घोषित हो चुका है और उसके लिए सीबीआई ने रेड कार्नर नोटिस जारी कर रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि पंजाब की भगवंत मान सरकार पर अनाज घोटाले का आरोप कैसे चस्पा हो रहा है। राज्य को भ्रष्टाचार और नशा मुक्त करने के नारे के साथ सत्ता में आई पंजाब की भगवंत मान सरकार ने दरअसल इस भगोड़े अधिकारी के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई करती नजर नहीं आ रही है। अव्वल तो होना चाहिए कि टेंडर घोटाले की जांच करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होती, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। बल्कि इसकी कड़ी आगे जुड़ती जा रही है। लुधियाना में दर्ज मामले के व्हिसल ब्लोर गुरप्रीत सिंह हैं। उनका आरोप है कि नई सरकार के आने के बाद कहां तक घोटाला रूकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। दरअसल पंजाब में कृषि उपज की खरीद भारत सरकार के खाद्य निगम के लिए पंजाब सरकार करती है। इसके लिए उसे प्रति क्विंटल कमीशन मिलता है। असल गड़बड़ी यहीं हैं। गुरप्रीत सिंह का कहना है कि दरअसल असल खरीद कुछ और हो रही है और कागजों पर कुछ और दिखाया जा रहा है। चूंकि हर साल केंद्र सरकार खरीद के लिए निश्चित रकम राज्य को देती है, लिहाजा उसका हर साल वह हिसाब-किताब भी मांगती है। लेकिन दिलचस्प यह है कि साल 2017 में कांग्रेस के सत्ता में आने से लेकर 2022 में आई मान सरकार ने इस बारे में केंद्र को ठीक से हिसाब नहीं दिया है। इसकी वजह से केंद्र सरकार द्वारा इन वर्षों में राज्य को मिले 31 हजार करोड़ रूपए को केंद्र सरकार ने राज्य को कर्ज घोषित कर दिया है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 10 सितम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी के सान्निध्य में प्रदीप कासलीवाल की स्मृति में शिक्षक सम्मान समारोह

■ जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र जैन महावीर को मिला विशिष्ट सम्मान

इंदौर (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष, जैन रत्न स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की षष्ठम पुण्यतिथि के अवसर पर शिक्षक दिवस, 5 सितंबर को इंदौर के दलाल बाग में समाजसेवी उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। चातुर्मासरत निर्यापक मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित समारोह में शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षाविदों एवं शिक्षकों का सम्मान किया गया।

अपने आशीर्वचन में मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल ने समाज को सही राह देने का कार्य किया। वे समाज को निडर, सुशिक्षित और सक्षम बनाने में निरंतर लगे रहे। उनके परिवार को आशीर्वाद देते हुए मुनिश्री ने कहा कि उनके द्वारा किए गए समाजहित के कार्य सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

उपस्थित शिक्षकों का आह्वान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि आप कहीं भी रहें, आपके व्यक्तित्व और कार्यों से जैन समाज की छाप दिखाई देनी चाहिए। शिक्षक कर्मचारी बनकर नहीं, गुरु बनकर ज्ञान दें। सरकार ने भले ही आपको कर्मचारी बना दिया हो, लेकिन बच्चों को पढ़ाते समय गुरु बनकर पढ़ाएं। बच्चों को इतना अच्छा पढ़ाएं कि उन्हें ट्यूशन की आवश्यकता ही न पड़े।

मेरा वर्तमान मेरे भक्त का भविष्य बन जाए

मुनिश्री ने कहा कि विश्व का एकमात्र दर्शन जैन दर्शन है, जिसमें भगवान महावीर की भावना है—'मेरा वर्तमान मेरे भक्त का भविष्य बन जाए।' उन्होंने कहा कि शिक्षक का वर्तमान तभी सार्थक है, जब उसके द्वारा दी गई शिक्षा विद्यार्थियों के उवल भविष्य का आधार बने।

उन्होंने संपूर्ण समाज से आग्रह किया कि प्रत्येक जैन व्यक्ति की अपनी विशिष्ट पहचान होनी चाहिए। जैन व्यक्ति डॉक्टर हो, इंजीनियर हो, शिक्षक हो अथवा किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो, उसके कार्य और आचरण की ऐसी पहचान हो कि लोग कहें—यह कार्य किसी जैन व्यक्ति ने किया है।

मुनिश्री ने कहा कि जैन संस्कार और आचरण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देना चाहिए। व्यक्ति को देखकर सामने वाला कह सके—'लगता है, तुम जैन हो।' यही जैन होने की सार्थक पहचान है।

प्रमुख शिक्षाविदों एवं समाजसेवी शिक्षकों का सम्मान

समारोह में शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डीएवीवी के डॉ रजनीश जैन, जैन स्टडीज सेंटर के डॉ राहुल सिंघई, आईआईटी इंदौर के डॉ ललित जैन, अटल बिहारी संस्कृत महाविद्यालय इंदौर संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. संगीता मेहता, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति राकेश सिंघई, रेनेसा एवं अभ्युदय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. स्वप्निल कोठारी तथा सनावद के शिक्षाविद् एवं समाजसेवी ,जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र जैन 'महावीर' सनावद को विशेष रूप से समाजसेवी उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। गुरुपों द्वारा चयनित लगभग 32शिक्षक सम्मानित हुए।

जैन संस्कृति एवं तीर्थ संरक्षण में पदयात्राओं की भूमिका महत्वपूर्ण : उपाध्याय उर्जयन्त सागर जी

■ जयपुर से श्री महावीर जी की 40 वीं पदयात्रा के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर (विश्व परिवार)। भगवान महावीर के 2552 वें निर्वाणोत्सव वर्ष में भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो सहित विश्व शांति का संदेश देने, अहिंसा, शाकाहार का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से

श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में जयपुर से श्री महावीर जी की 40 वीं पदयात्रा संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं पदयात्रा के संयोजक महेश चन्द जैन के नेतृत्व में बुधवार, 14 अक्टूबर को आगरा रोड पर खानिया स्थित संगही जी की नसिया से रवाना होगी।

प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक बुधवार, 14 अक्टूबर को दोपहर 3.00 बजे जयपुर से प्रस्थान करने वाली इस पदयात्रा के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन दिगम्बर जैन नसिया भट्टारक जी में उपाध्याय उर्जयन्त सागर मुनिराज के सानिध्य में ने एक सादा समारोह में किया। इस मौके पर उपाध्याय श्री ने पदयात्रा के लिए आशीर्वाद देते हुए कहा कि जैन संस्कृति, तीर्थ संरक्षण, अहिंसा, शाकाहार एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करने में पदयात्राओं की बडी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विमोचन के मौके पर संरक्षक सुभाष चन्द जैन, संयोजक महेश चन्द जैन, कार्यकारिणी सदस्य सुरेश ठोलिया, सूर्य प्रकाश छाबड़ा,सलिल जैन, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, अमर चन्द दीवान खोराबीसल, , देवेन्द्र गिरधरवाल, ज्ञान चन्द जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संरक्षक सुभाष चन्द जैन के मुताबिक पदयात्रा मार्ग में विभिन्न धार्मिक आयोजन किये जायेंगे। पदयात्रा में महिलाएं भी शामिल होगी।

प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि पदयात्रा 15 अक्टूबर को मोहनपुरा,16 अक्टूबर को दौसा,17 अक्टूबर को सिकन्दरा,18 अक्टूबर को गुढ़ाचंद्रजी,नादौती होते हुए 19 अक्टूबर को श्री महावीर जी पहुंचेगी । जहां विशाल जूलूस के साथ पदयात्री भगवान महावीर के सामूहिक दर्शन करेंगे। दोपहर 2.00 बजे पदयात्री सम्मान समारोह होगा। सायंकाल महाआरती एवं भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा।

प्लास्टर आफ पेरिस से निर्मित मूर्तियों के निर्माण एवं विक्रय पर कार्यवाही

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। आगामी गणेश पर्व के लिए नगर निगम सीमाक्षेत्र मे बनने वाले गणेश प्रतिमा निर्माण स्थल एवं विक्रय स्थल मे जाकर प्लास्टर आफ पेरिस से बने मूर्तियो की जॉच कर कार्यवाही करने निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने अधिकारियो का दल गठित किया है। गठित दल के प्रभारी प्र.कार्यपालन अभियंता प्रणय मेश्राम, सदस्य राजस्व अधिकारी मोबिन अली व प्र.सहायक अभियंता गरिमा वर्मा तथा सदस्य सचिव प्र.स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा को बनाया है।

बने मूर्ति के विक्रय एवं विनिर्माण पर दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए प्रतिबंध लगाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि प्लास्टर आफ पेरिस पानी में घुलता नहीं है और उससे नदी एवं तालाब का पानी के अलावा वतावरण प्रदुषित होता है। जिसे ध्यान में रखते हुये मिट्टी से ही गणेश प्रतिमा का निर्माण करना है। आयुक्त ने स्वयं गत माह गणेश प्रतिमा निर्माण स्थल का निरीक्षण कर मूर्तिकारो से जानकारी लेकर निर्देशित किये थे कि बडी-छोटी किसी भी प्रकार की प्रतिमा में प्लास्टर ऑफ पेरिस का उपयोग न करें, उपयोग करते पाए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

आयुक्त श्री मरकाम ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए माननीय राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेशानुसार प्लास्टर आफ पेरिस से निर्मित मूर्तिया प्रतिबंधित होने पर आगामी गणेश पर्व के लिए निर्मित प्रतिमाओ के निरीक्षण के लिए दल का गठन किया गया है। गठित दल मूर्ति निर्माण एवं विक्रय स्थल का नियमित जॉच कर प्रतिबंधित समाग्री से

एनआईटी रायपुर में 'हिमालय दिवस-2026' का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के अनुप्रयुक्त भूविज्ञान विभाग (Department of Applied Geology) द्वारा आज हिमालय है तो हम हैं (जल, जलवायु और मानव कल्याण हेतु) के केंद्रीय विषय पर 'हिमालय दिवस-2026' का आयोजन किया गया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), भारत सरकार के राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (NMHS) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का संयोजन लद्दाख स्थित एलएंडपी (L&P, लेह) तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के साथ मिलकर किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक विमर्श और ठोस संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI), रायपुर के उप महानिदेशक श्री अमित धारवाडकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर एनआईटी रायपुर के प्रभारी निदेशक प्रो. समीर बाजपेयी, जल शक्ति मंत्रालय के अधीन केंद्रीय भूजल बोर्ड (CGWB) स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय भूजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (RGNGWTRI) के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रंजन कुमार राय तथा सीजीडब्ल्यूबी के उत्तर-मध्य छत्तीसगढ़ क्षेत्र (NCCR) के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. बी. आर. लामसोगे विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर एनआईटी रायपुर के मुख्य सतर्कता अधिकारी (CVO) डॉ. प्रभात दीवान, अनुप्रयुक्त भूविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज विश्वकर्मा, सूचना प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. सुधाकर पांडेय सहित संकाय सदस्य, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. डी. सी. झारिया रहे तथा इसका समन्वय डॉ. मृदु साहू, डॉ. चंदन के. सिंह एवं डॉ. विकास के. विद्यार्थी द्वारा किया गया।

अतिथियों के औपचारिक स्वागत के पश्चात हिमालय के पारिस्थितिकीय महत्व तथा ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों पर आधारित एक सूचनात्मक वृत्तचित्र (वीडियो) का प्रदर्शन किया गया, जिसके साथ संस्थान के 'रागा क्लब' ने एक मधुर सांगीतिक प्रस्तुति दी। डॉ. मृदु साहू ने अपने स्वागत उद्बोधन में छात्रों के लिए आयोजित विभिन्न पर्यावरण-केंद्रित प्रतियोगिताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज विश्वकर्मा ने हिमालय के भूगर्भीय विकास पर प्रकाश डालते हुए सामूहिक वैज्ञानिक जागरूकता पर बल दिया। वहीं, डॉ. सुधाकर पांडेय ने तीव्र शहरीकरण के दुष्प्रभावों को रेखांकित करते हुए जागरूकता को मापने योग्य पर्यावरणीय कार्यों में बदलने का आह्वान किया।

सीआरपीएफऔर NACO टीम ने चलाया HIV-AIDS जागरूकता अभियान

आरंग (विश्व परिवार)। मंगलवार को सीआरपीएफ और NACO की संयुक्त टीम द्वारा HIV-AIDS जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भिलाई में किया गया। यह कार्यक्रम DIG मेडिकल डॉ. एम. के. सिन्हा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में डॉ. इंदु वशिष्ठ ने सभी जवानों और उपस्थित लोगों को HIV-AIDS मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने की शपथ दिलवाई। उन्होंने HIV से बचाव, जांच और उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर NACO से रमावती पटेल ने HIV-AIDS के लक्षण, संक्रमण के कारण और रोकथाम के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने भ्रांतियों को दूर कर सुरक्षित जीवन शैली अपनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में सीआरपीएफ के अधिकारी, जवान और NACO टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

पर्युषण में वैर का त्याग ही सच्ची आराधना, सभी से रखें मित्रता का भाव : मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय के सर्वमंगलमय वर्षावास में जारी पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन धर्म और आत्मचिंतन की साधना का क्रम जारी रहा। धर्मसभा में परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने कर्तव्य बोध की चर्चा करते हुए श्रद्धालुओं को वैर का त्याग कर सभी के साथ मित्रवत व्यवहार करने की प्रेरणा दी।

मुनिश्री ने कहा कि वैर को छोड़े बिना पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व की आराधना पूर्ण नहीं हो सकती। दोष, दुख और दुश्मन को कभी नहीं पालना चाहिए। सभी के प्रति मित्रता का भाव रखना चाहिए। स्वयं के साथ मित्रता होगी तो व्यक्ति दोषों से बचेगा, दोषों से बचेगा तो दुख से

दूर रहेगा और आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ सकेगा। वहीं दूसरों से मित्रता का भाव रहेगा तो दुश्मनी के लिए कोई स्थान ही नहीं बचेगा।

मन-वचन-काया से वैर मुक्त होने का करें प्रयास

मुनिश्री ने कहा कि पर्वाधिराज पर्युषण वैर से विमुक्त होने का अवसर है। इस दौरान मन, वचन और काया से वैरभाव से मुक्त होने का पुरुषार्थ करना चाहिए। क्षमापना को जीवन में धारण करने का पराक्रम करना होगा और भीतर की सकारात्मक शक्ति को जागृत करना होगा। पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर परिवर्तन लाने का अवसर है।

साधर्मिक भक्ति से स्वार्थ पर विजय का संदेश

मुनिश्री ने साधर्मिक भक्ति को स्वार्थ के युग पर विजय प्राप्त करने का महत्वपूर्ण कर्तव्य बताया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का ध्यान रखना चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति किसी कारणवश धर्मकार्य से विमुख न हो। जो भगवान बन चुके हैं, उनकी भक्ति करना आसान है, लेकिन जो भावी भगवान हैं, उनकी भक्ति करना कठिन है। स्वार्थ पर विजय पाने का सबसे सार्थक उपाय साधर्मिक भक्ति है।

अभिनंदनीय व्यक्तित्व डॉ. लीना जैन

रावतभाटा (राज) (विश्व परिवार)। बघेरवाल समाज की प्रतिभा डॉ. लीना जैन ने चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर समाज का नाम उज्जवल किया है

भीलवाड़ा स्थित आरवीआरएस गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज की ईएनटी (ENT) विभागाध्यक्ष एवं एमडी आरयू की नोडल अधिकारी डॉ. लीना जैन को 'इंटरडिसिप्लिनरी एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एजुकेशनिस्ट्स' (IAME) द्वारा 'आईएएमई टीचर डे अवार्ड्स 2026' के तहत नॉर्थ जोन से सम्मानित किया गया है। डॉ. लीना जैन वर्तमान में इस संगठन के नॉर्थ जोन की सचिव पद का दायित्व भी संभाल रही हैं। विगत 35 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले राष्ट्र गौरव पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार कोटा ने जानकारी देते हुवे बताया कि रावतभाटा के देव शास्त्र गुरु के परम भक्त व्यवहार कुशल कवि हृदय श्री ओम प्रकाश जी साँवला धर्मपत्नी श्रीमती गुणमाला जैन की सुपुत्री डॉक्टर लीना जैन के अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र: चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में उनके 27 शोध पत्र प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं।

अत्याधुनिक सर्जरी की शुरुआत: राजस्थान के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पहली बार 'एंड्रॉयड आधारित कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी' सफलतापूर्वक शुरू करने का ऐतिहासिक श्रेय भी डॉ. लीना जैन को जाता है। आपका विवाह डॉक्टर मनीष जैन MDS, से हुआ। पारस जैन 'पार्श्वमणि' ने आगे बताया कि डॉ. लीना जैन की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बघेरवाल दर्पण परिवार द्वारा हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रदान की गई।

गुरु मां बिन्धश्री माताजी का सानिध्य में प्रतिष्ठा शिरोमणि कार्यशाला का समापन

कारीतोरण (विश्व परिवार)। (भरत सेठ घुवारा) प्रतिष्ठा शिरोमणि कार्यशाला का अंतिम दिवस पर नित्य अभिषेक शांतिधारा 1650

वर्ष प्राचीन अतिशय कारी शांतिनाथ भगवान पर एवम अंतिम सत्र में श्री विहार ! वस्तं उत्सव एवम निर्वाण भक्ति आदि पर प्राचीन शास्त्रों का मंथन किया गया जिसमे अलग अलग विधि के प्रमाण भी मिले एवम कुछ विधियों का लोप भी हुआ भी मिला केवल आचार्य नेमीचन्द्र सिद्धांत चक्रवर्ती आचार्य भगवान ने ही निर्वाण कल्याणक की विधि बताई है 9 वी शताब्दी के ताड़ पत्र में दक्षिण भारत से आए उनके ऊपर हाले कन्नड़ संस्कृत पर शोध चल रहा है ।

परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 विन्ध्य श्री माताजी ने आपने

उद्बोधन में प्रशंसा की कि ऐसे आयोजन समाज में फैली कु रीतियो पर से परदा हटाने का काम करेंगे तो ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए जिन विद्वानो को बुलाने में लाखो का खर्च होता है केवाल 1 के लिए यहा अतिशय से कम नहीं की 200 विद्वान सहजता से इस ज्ञान कुंभ में मंथन करने पधारे है पंडित भागचंद धरियाबाद, ब.ब्रा शोभित भैयाजी मदवाड़ा,मुकेश जी विनम्र , ब.ब्रा आशीष भैया पुण्यांश भोपाल संदीप उपाध्ये संभाजीनगर ,अनिल जी अकोला, विनोद पगारिया, नितिन जी देंदू , शैलेश जी मँगीतूँगी , आदि विद्वानों को प्रतिष्ठा शिरोमणि की उपाधि दी गई एवम बाक़ी के विद्वानों को प्रतिष्ठा शिरोमणि प्रशिक्षु की उपाधि से सुशोभित किया गया है। उपस्थित समस्त विद्वानों ने पंडित महेश जी कारीटोरन /दिमापुर के लिए पण्डित चक्रवर्ती की उपाधि के लिए खुले दिल से आवाहन किया एवम पत्र के माध्यम से हस्ताक्षर करते हुए आचार्य विशुद्ध सागर जी के चरणों में होने वाली कार्यशाला में प्रस्ताव रखा जाएगा।

ज्ञान की आंख खुलते ही टूटती है मोह की नींद : निर्यापक मुनि श्री समतासागर जी

■ सम्यक पुरुषार्थ से सच होता है जीवन का सपना

■ अनुप्रेक्षा सिखाती है भावना और कामना का अंतर, बाहरी सफलता के साथ आंतरिक शक्ति को भी जीवन के विजन में शामिल करें युवा

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने 'What Is Life' श्रृंखला के अंतर्गत 'Life is a Dream' विषय पर जीवन के सपने, मोह की निद्रा, जाग्रति, अनुप्रेक्षा और सम्यक पुरुषार्थ का गहन विवेचन किया।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्रीय प्रचारमंत्री जय कुमार जलज ने बताया कि मुनि श्री का यह संदेश युवाओं को आधुनिक लक्ष्य-निर्धारण के साथ जैन दर्शन के जीवनोपयोगी सूत्रों को जोड़ने की प्रेरणा देता है। 'मैं कौन हूं कर्मों का हिसाब, अनुप्रेक्षा और हल' जैसे सूत्र जीवन के लक्ष्य को केवल उपलब्धि ही नहीं, बल्कि आत्म-विकास और सार्थकता के साथजोड़ते हैं।उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से जीवन को समझने का अर्थ संसार को झूठा मानना नहीं,बल्कि उसकी अनित्यता को पहचानना है।संसार का अपना अस्तित्व है,लेकिन सांसारिक सुख, संबंध, शरीर, धन, पद और परिस्थितियां स्थायी नहीं हैं।मुनि श्री ने कहा कि जीवन की वास्तविकता को एक पंक्ति में समझना हो तो कहा जा सकता हैआंख खुली,सपना गया;आंख लगी,अपना गया। दो दिन का मेहमान तू, श्वास रुकी, जपना गया। रात में देखा गया सपना आंख खुलते ही समाप्त हो जाता है,उसी प्रकार मोह और अज्ञान की

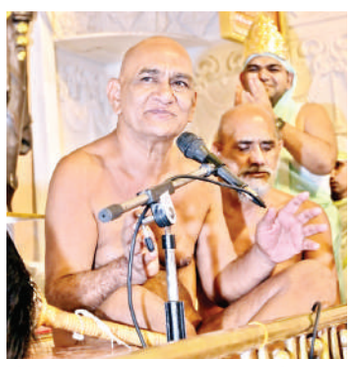

नींद में मनुष्य चलते-फिरते हुए भी अनेक सपने देखता रहता है। जब ज्ञान की आंख खुलती है तो उसे अपनी वास्तविक स्थिति का बोध होता है।

उन्होंने जैन दर्शन में अनित्यता के चिंतन को समझाते हुए कहा कि सूर्य-चंद्रमा का उदय-अस्त,ऋतुओं का परिवर्तन,बहती नदी,घटती श्वास,ढलता यौवन और धूप में पिघलती ओस की बूंद—ये सभी जीवन की क्षणभंगुरता का संदेश देते हैं।संसार मायाजाल नहीं है,बल्किसंसार के भीतर मौजूद वैभव और परिस्थितियां परिवर्तनशील हैं। इन्हें स्थायी मानकर उनसे आसक्ति करना ही मोह का कारण बनता है।मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य मोहिनी कर्म के प्रभाव में सत्य और असत्य का विवेक खो देता है।वह शरीर को ही आत्मा मान बैठता है और घर, धन, वाहन, नौकरी, व्यवसाय तथा परिवार को अपना मानकर उनके प्रति आसक्ति बढ़ाता रहता है। कल्पनाएं कितनी भी सुंदर क्यों न हों, वे व्यक्ति को सुला सकती हैं,जगा नहीं सकतीं। वास्तविक जागरण तब होता है,जब व्यक्ति अपनी आत्मिक पहचान को समझता है।उन्होंने स्वप्न के संदर्भ में कहा कि विज्ञान स्वप्न को अधूरी इच्छाओं, विचारों और अवचेतन मन में संचित संस्कारों का प्रतिबिंब मानता है,जबकि जैन दर्शन कर्म सिद्धांत के आधार पर स्वप्न की व्याख्या करता है।पुण्य कर्म के उदय से शुभ तथा पाप कर्म के उदय से अशुभ स्वप्न आने की बात जैन दर्शन में कही गई है। संस्कारवश आने वाले अनेक स्वप्न निष्फल भी होते हैं।तीर्थंकर भगवान की माताओं द्वारा देखे गए शुभ स्वप्नों को उन्होंने पूर्व भवों के पुण्य के निमित्त से जुड़ा बताया। मुनि श्री ने कहा कि अनुप्रेक्षा का अर्थ है वस्तु-व्यवस्था का यथार्थ चिंतन करना।अनुप्रेक्षा व्यक्ति को यह समझाती है कि उसकी भावना क्या है और कामना क्या है। जब यह अंतर स्पष्ट होता है तो व्यक्ति की ऊर्जा सही दिशा में लगने लगती है। दया, क्षमा, वात्सल्य, करुणा, नि:स्वार्थ प्रेम, ज्ञान की खोज और मानवता की सेवा जैसे भाव जीवन में विकसित होने लगते हैं।

किस्टल आर्केड के सामने अनुमति से अधिक अतिरिक्त निर्माण पर कार्रवाई

■ शंकरनगर में नक्शा स्वीकृति के विपरीत द्वितीय तल पर किये गये निर्माण को हटाया

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के मार्गदर्शन एवं कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता श्री नरेश कुमार साहू की उपस्थिति में नगर निगम जोन 3 क्षेत्र अतर्गत शंकरनगर वार्ड क्रमांक 30 क्षेत्र में शकरनगर में नक्शा स्वीकृति के विपरीत द्वितीय तल पर किये गये निर्माण पर अभियान चलाकर स्थल पर संबंधित निर्माण कर्ता को नियमानुसार नोटिस प्रक्रिया के अतर्गत देने उपरात निर्माण हटाने की कार्रवाई की गई। वहीं नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग द्वारा जोन 3 क्षेत्र अंतर्गत किस्टल आर्केड के सामने अनुमति से अधिक किये गये अतिरिक्त निर्माण को हटाने की कार्रवाई स्थल पर सबंधित निर्माणकर्ता को नियमानुसार नोटिस देने उपरांत की गई।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, गुरूवार 10 सितंबर 2026

नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित हुई डालिमा गौर सुकमा के उत्कृष्ट कार्यों को भी मिली पहचान

सुकमा। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की रजत जयंती के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रदेश की 50 महिलाओं एवं संस्थाओं को 'नारी शक्ति सम्मान' से सम्मानित किया गया। विगत दिनों अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित समारोह में महिला सशक्तिकरण एवं समाजहित के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए डालिमा गौर को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

डालिमा गौर के उत्कृष्ट कार्यों को मिली सम्मान की पहचान

डालिमा गौर को उनके द्वारा महिला सशक्तिकरण, समाजहित, नेतृत्व एवं सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में किए जा रहे उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी कार्यों के लिए 'नारी शक्ति सम्मान-2026' से नवाजा गया। सम्मान के रूप में उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान प्रतीक प्रदान किया गया। यह सम्मान डालिमा गौर के सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण और महिलाओं के हित में किए जा रहे कार्यों को मिली महत्वपूर्ण पहचान है। उनके इस सम्मान से परिवार, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है।

सखी वन स्टॉप सेंटर सुकमा को भी मिला सम्मान

इसी समारोह में महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के क्षेत्र में सखी वन स्टॉप सेंटर, सुकमा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सुकमा द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर सुकमा को 'नारी शक्ति सम्मान' प्रदान किया गया। यह सम्मान महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षण, सहायता तथा उन्हें आवश्यक सेवाओं से जोड़ने की दिशा में सुकमा जिले में किए जा रहे कार्यों की सराहना है।

दीपिका शोरी ने की डालिमा गौर के कार्यों की सराहना

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं बस्तर संभाग प्रभारी अधिवक्ता दीपिका शोरी ने डालिमा गौर को बधाई देते हुए कहा– डालिमा गौर द्वारा समाजहित, महिला सशक्तिकरण और सकारात्मक बदलाव की दिशा में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणादायी हैं। उनका यह सम्मान निश्चित रूप से अन्य महिलाओं को भी समाज के लिए बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर सुकमा को मिले सम्मान के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की पूरी टीम को भी बधाई दी और कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव रखते हैं।

केदार कश्यप के 17 साल के कार्यकाल पर विधायक विक्रम मंडावी का हमला कहा- बस्तर की उपेक्षा के लिए याद किया जाएगा आपका कार्यकाल

बीजापुर। प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा छत्तीसगढ़ में सबसे लंबे समय तक कैबिनेट मंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने पर बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने बधाई देते हुए तीखा हमला बोला है। विधायक मंडावी ने फेसबुक पर पोस्ट कर पूछा है कि 17 साल 8 महीने मंत्री रहने के बाद भी बस्तर को आपने क्या दिया? विधायक ने पोस्ट में लिखा- केदार कश्यप जी छत्तीसगढ़ में सबसे लंबे समय तक कैबिनेट मंत्री बनने का खिताब आपको मिल रहा है, मेरी तरफ से भी आपको बधाई। चार बार मंत्री पद की शपथ ली, मंत्री के रूप में आदिवासी विभाग, वन विभाग समेत कई महत्वपूर्ण विभाग संभाले, 6,472 दिन (17 वर्ष 8 महीने) का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अब बस्तर संभाग के आम गाँव गरीब आदिवासी, युवा बेरोजगार, महिला, छोटे व्यापारी, छात्र आपसे जानना चाहते हैं कि बस्तर संभाग को आपने 17 वर्ष 8 महीने में क्या दिया? बस्तर की किस मुद्दे को लेकर आपने आवाज उठाई? बस्तर के समस्याओं को लेकर आप हमेशा मौन रहते है? नारायणपुर जिले के बदहाल सड़को का ज़िम्मेदार कौन है? बस्तर का युवा और बेरोजगार काम की तलाश में पलायन कर रहा है, भ्रष्टाचार पर आप हमेशा मौन रहते हैं, बस्तर संभाग में आदिवासियों की जमीने हड़पी जा रही हैं, बस्तर का आदिवासी लगातार ठगा जा रहा है, स्कूल भवन जर्जर अवस्था में है शिक्षकों की भारी कमी है बस्तर की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बस्तर संभाग का स्वास्थ्य व्यवस्था और अस्पतालों की बदहाल स्थिति सिवाय आपके किसी से छिपी नहीं है। डेढ़ दशक से भी अधिक का आपका यह कार्यकाल बस्तर वासियों की उपेक्षा के लिए हमेशा याद किया जाएगा। विधायक मंडावी के इस पोस्ट के बाद बस्तर की सियासत गरमा गई है। उनके समर्थकों ने पोस्ट को जमकर शेयर करते हुए वन मंत्री से बस्तर के विकास पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है।

अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी, मॉनिटरिंग सेल एवं नेशनल लोक अदालत के संबंध में कोण्डागांव जिले के अधिकारियों का बैठक हुआ सम्पन्न

कोंडागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी के अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी एवं मॉनिटरिंग सेल एवं हिट एण्ड रन व नेशनल लोक अदालत की बैठक मध्यस्थता कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में अपर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश विक्रम प्रताप चंद्रा, कलेक्टर कोंडागांव नुपूर-राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेशमा बैरागी पटेल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गायत्री साय, लोक अभियोजन अधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग, प्रशासनिक अधिकारी व न्यायालय अधीक्षक सम्मिलित रहे। अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी- अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक के दौरान ऐसे बंदियों के मामलों पर विशेष रूप से चर्चा की गई, जो लंबे समय से विचाराधीन है, जिनकी जमानत हो चुकी है परंतु वे, जमानत की शर्तें पूरी नहीं कर पा रहे हैं, अथवा जिनकी सजा की अधिकतम अवधि के सापेक्ष दे पर्याप्त समय जेल में बिता चुके हैं। न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र बंदियों के मामलों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा विधि के अनुरूप उन्हें राहत प्रदान की जाए। इसके साथ ही, बंदियों के अधिकारों की सुरक्षा एवं न्याय तक उनकी सुगम पहुंच सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। मॉनिटरिंग सेल- मॉनिटरिंग सेल की बैठक में नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया शीघ्रता से करने हेतु प्रधान न्यायाधीश द्वारा कलेक्टर कोण्डागांव को निर्देश दिए गए। साथ ही मेगा ड्राइव के तहत ग्राम तोतर में प्रत्येक सप्ताह के दिन गुरुवार एवं शुक्रवार को अन्य विभाग के द्वारा कैंप लगवाने में सहयोग किए जाने एवं संबंधित विभाग को कैंप लगवाए जाने हेतु निर्देशित किये जाने के संबंध में चर्चा की गई। नेशनल लोक अदालत 12 सितम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में राजस्व मामलों को अधिक से अधिक संख्या में रखकर मामलों को निपटारा करने हेतु न्यायाधीश महोदय द्वारा निर्देशित किया गया साथ ही पुलिस विभाग को ट्रैफिक चालान को नेशनल लोक अदालत में रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया।

बस्तर संभाग में पहली बार यूट्यूबर एवं पत्रकारिता के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कोण्डागांव। सर्व आदिवासी समाज, जिला युवा प्रभाग कोण्डागांव द्वारा बस्तर संभाग में पहली बार यूट्यूबर, एवं पत्रकारिता से संबंधित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण गोंडवाना भवन, फरसगांव, में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कोण्डागांव जिले के सभी ब्लॉकों से बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में पत्रकारिता, समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, डिजिटल मीडिया, एवं कैमरा प्रबंधन सहित मीडिया के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र एवं समाज के युवाओं की छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारना तथा उन्हें आधुनिक डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म से जोड़ना एवं अपने क्षेत्र की समस्याओं, उपलब्धियों, सामाजिक मुद्दों, आदिवासी संस्कृति, परंपराओं एवं विकास से जुड़े विषयों को जिम्मेदारी एवं प्रभावी ढंग से रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता भूपेंद्र नेताम ने युवाओं को संवैधानिक अधिकारों एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। पत्रकारिता एवं रिपोर्टिंग विषय पर पत्रकार एवं दूरदर्शन-आकाशवाणी से जुड़े प्रमोद पोटाई, नारायणपुर ने प्रतिभागियों को समाचार लेखन, रिपोर्टिंग तथा पत्रकारिता के सभी पहलुओं की बारीकी से जानकारी दी गई। लक्ष्मण बघेल जगदलपुर, के द्वारा भी मीडिया एवं पत्रकारिता एवं आर टी आई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिले के सभी ब्लॉक से लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। युवाओं ने भविष्य में अपने गांव एवं क्षेत्र की सकारात्मक गतिविधियों, स्थानीय समस्याओं, उपलब्धियों तथा बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को डिजिटल माध्यमों से व्यापक स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग, जिला इकाई कोण्डागांव के अध्यक्ष धन्नू सलाम ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आने वाले समय में युवा अपने ग्रामीण क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं, उपलब्धियों, अपनी संस्कृति एवं जिम्मेदारी के साथ व्यापक स्तर तक पहुंचा सकेंगे।

विकसित भारत यूथ लीडर डायलॉग 2027 के अंतर्गत क्विज

कोण्डागांव। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027 का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में प्रस्तावित है। उक्त कार्यक्रम के विकसित भारत चैलेंज ट्रैक युवाओं के विचारों एवं नवाचारी सुझावों को विकसित भारत /2047 के लक्ष्य से जोड़ने हेतु प्रमुख मंच है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में विकसित भारत क्विज का आयोजन 17 अगस्त से 16 सितंबर तक माई भारत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जा रहा है। उक्त क्विज में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा पात्र है तथा क्विज में चयनित प्रतिभागी आगामी चरण में निबंध एवं प्रस्तुतीकरण की प्रक्रिया में सम्मिलित होंगे। अतः यह गतिविधि युवाओं को जिला स्तर से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा एवं विचार प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से मिली बड़ी राहत, अब नहीं आता बिजली बिल

दंतेवाड़ा। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जिले के नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से लोग स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के साथ-साथ बिजली खर्च में भी उल्लेखनीय बचत कर रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले के बड़े तुमनार निवासी कैलाश कुमार देवांगन इसकी एक प्रेरक मिसाल हैं। कैलाश कुमार देवांगन ने मार्च 2026 में अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया। वे अपने गांव के पहले हितग्राही हैं जिन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लिया। कैलाश देवांगन वर्तमान में गीदम विकासखंड के ग्राम मोफलनार स्थित माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। कैलाश बताते हैं कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1000 से 1200 रुपये तक आता था। हालांकि सोलर पैनल स्थापित होने के बाद से उन्हें बिजली बिल का भुगतान नहीं करना पड़ रहा है। उनके अनुसार घर में चार सदस्य रहते हैं और उनकी आवश्यकताओं के लिए 3 किलोवाट का सोलर संयंत्र पर्याप्त है। पहले घर में लगभग 200 यूनिट बिजली की खपत होती थी, जिसका भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब सौर ऊर्जा के कारण यह खर्च लगभग समाप्त हो गया है। उन्होंने बताया कि मार्च माह में शिक्षकों की एक बैठक के दौरान पीएम सूर्य घर योजना की विस्तृत जानकारी दी गई थी, जिसमें वे भी शामिल हुए थे। योजना के लाभ और संभावनाओं को समझने के बाद उन्होंने अपने घर की जरूरतों के अनुसार सोलर संयंत्र लगाने का निर्णय लिया। इसके सकारात्मक परिणामों का अनुभव कर रहे हैं। देवांगन का कहना है कि सरकार द्वारा योजना के तहत प्रदान की जा रही सब्सिडी इसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है। इससे आम परिवारों के लिए सोलर संयंत्र स्थापित करना आसान हो गया है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक नागरिक इस योजना का लाभ लें और अपने बिजली खर्च को कम करें। कैलाश कुमार देवांगन का मानना है कि यह योजना केवल आर्थिक रूप से ही लाभदायक नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका कहना है कि भविष्य में बिजली की मांग और दरों में वृद्धि होने की संभावना है, ऐसे में सौर ऊर्जा अपनाने वाले परिवारों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा का उपयोग आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित करेगा। जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग ने नागरिकों से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने की अपील की है। यह योजना घरों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ हरित एवं टिकाऊ विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अपूर्ण आवास 30 सितंबर तक पूर्ण कराने के निर्देश

नारायणपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद नारायणपुर में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका क्षेत्र के ऐसे हितग्राहियों के आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई, जिनके आवास अभी तक पूर्ण नहीं हो सके हैं। बैठक में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, पार्षदगण संजय नंदी, रमशिला नाग, कृति पोटाई, संतोष गोटा, कमलापति मिश्र एवं कौशल बघेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव तथा अभियंता बसंत कुंजाम उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपूर्ण आवासों की स्थिति की जानकारी ली। हितग्राहियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा शेष कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए आवश्यक समझाइश एवं मार्गदर्शन दिया गया। नगर पालिका द्वारा हितग्राहियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने अपूर्ण आवासों का निर्माण कार्य 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करें, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 का लाभ निर्धारित समय-सीमा में प्राप्त हो सके। संबंधित कर्मचारियों को हितग्राहियों से निरंतर संपर्क बनाए रखने तथा आवास निर्माण कार्य की प्रगति की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका परिषद ने योजना के तहत शेष आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही।

हथियार छोड़ अपनाया हुनर, पुनर्वास नीति से बदली रानू राम की जिंदगी

कोंडागांव। कभी माओवादी संगठन से जुड़े ग्राम ठोटी मड़ानार पंचायत मुँगवाल निवासी रानू राम नेताम ने अब हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास और सामान्य जीवन की राह अपना ली है। केंद्र और राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर रानू राम ने माओवादी संगठन से आत्मसमर्पण किया। इसके बाद शासन की पुनर्वास नीति के तहत उन्हें सुरक्षित वातावरण में रहते हुए अपनी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करने और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिला। आत्मसमर्पण के बाद रानू राम नेताम पुनर्वास केंद्र में रहकर अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने लगे। इसी दौरान उन्होंने लाइवलीहुड कॉलेज में ड्राइविंग का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने वाहन चलाने की बारीकियां सीखीं और सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया।

रानू राम बताते हैं कि अब वे पूरी तरह से गाड़ी चलाना सीख चुके हैं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके बाद रानू राम को सिक्योरिटी गार्ड के रूप में रोजगार का अवसर मिला और वर्तमान में वे सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहे हैं। वे बताते हैं कि यह नौकरी उनके जीवन में एक नया बदलाव लेकर आई है। नियमित रोजगार मिलने से उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में मदद मिल रही है और भविष्य को लेकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। रानू राम कहते हैं कि उनकी ड्यूटी रात के समय रहती है। इसलिए दिन में वे अपने घर जाते हैं और परिवार के साथ समय बिताने के साथ-साथ घर के कामकाज में भी हाथ बंटाते हैं। नौकरी के साथ अपने परिवार और घर की जिम्मेदारियों को निभाते हुए वे अब एक सामान्य और बेहतर जीवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं। रानू राम के जीवन में बदलाव केवल रोजगार तक सीमित नहीं है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने की दिशा में भी प्रयास कर रहे हैं। उनके घर में पहले से ट्यूबवेल था, लेकिन सिंचाई के लिए बिजली और अन्य संसाधनों की आवश्यकता रहती थी।

// कार्यालय सेनानी, पुलिस प्रशिक्षण शाला, जगदलपुर, जिला-बस्तर छ.ग. //
E-mail: aptsjdr@gmail.com

क्रमांक:-पीटीएस/सा.अ./निविदा/2/ 681/2026, जगदलपुर, दिनांक 31/08/2026

// निविदा आमंत्रण सूचना //

सेनानी, पुलिस प्रशिक्षण शाला, जगदलपुर में नीचे उल्लेखित निर्माण कार्य लिए ई पंजीकृत 'डी' श्रेणी एवं उच्च श्रेणी ठेकेदार से प्रभावी अनुसूची दर 01.01.2015 के अनुसार प्रत्येक निर्माण कार्य के लिए पृथक-पृथक मुहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्यालय से निविदा फार्म बिकी की अन्तिम तिथि 28.09.2026 समय अपरान्ह 5:30 बजे तक। पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि 30.09.2026 समय अपरान्ह 5:00 बजे तक। निविदा खोलने की तिथि 01.10.2026 समय अपरान्ह 12:30 बजे तक निविदा खोलने का स्थान-कार्यालय सेनानी, पुलिस प्रशिक्षण शाला, लालबाग जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.) है।

क्र.	कार्य का नाम व कार्य स्थल	प्रशासकीय स्वीकृत राशि	धरोहर राशि
01	प्रधान आरक्षक बैरक प्रथम तल निर्माण कार्य	18,39,000.00	18390.00

नोट :-
01. निविदा प्रपत्र कय हेतु आवेदन पत्र के साथ चालान ('लेखा शीर्ष 0055-पुलिस मिसलेनियस, 800-अन्य प्राप्तियों' शीर्ष में राशि रू. 750/- जमा किया) की मूल प्रति प्रस्तुत करने पर निविदा प्रपत्र प्रदाय की जावेगी।
02. निविदा संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय सेनानी पुलिस प्रशिक्षण शाला लालबाग जगदलपुर के कार्यालयीन दिवस / समय में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकते है।

सेनानी
पुलिस प्रशिक्षण शाला, जगदलपुर

जी-262703127/1

न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड ने मोबाइल मेडिकल वैन को हरी झंडी दिखा रवाना किया

छत्तीसगढ़ के आरसमेटा में 'स्वस्थ भारत' सीएसआर पहल के तहत हुई नई शुरुआत

मुंबई:- न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने अपने सीएसआर प्रोग्राम 'स्वस्थ भारत' के तहत अपने आरसमेटा सीमेंट प्लांट में एक मोबाइल मेडिकल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल प्लांट के आस-पास के गांवों में रहने वाले लोगों के लिए हेल्थकेयर सेवाओं तक पहुंच को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। इस वैन को हरी झंडी दिखाने का कार्यक्रम आरसमेटा सीमेंट प्लांट के गेट पर आयोजित किया गया, जिसमें श्री सुमित बघेल, एसडीएम, अकलतरा, जांजगीर-चांपा मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस कार्यक्रम में न्युवोको विस्टास आरसमेटा प्लांट के सदस्यों के साथ-साथ आरसमेटा, सोंसारी, परसदा और अमोरा के सरपंच और सरपंच प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

ग्रामीण समुदायों तक आसानी से उपलब्ध होने वाली, बीमारी से बचाव और ज़रूरी हेल्थकेयर सेवाएं पहुंचाने के लिए शिवोरा ग्लोबल लाइफ्साइंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर यह मोबाइल मेडिकल वैन शुरू की गई है। यह आरसमेटा, सोंसारी, परसदा और अमोरा में नियमित तौर पर स्वास्थ्य जांच, बुनियादी मेडिकल सेवाओं और बीमारी से बचाव के लिए हेल्थकेयर जागरूकता में मदद करेगी, जिससे बच्चों सहित वहां के निवासियों को उनके घरों के पास ही ज़रूरी हेल्थकेयर सुविधा मिल सकेगी। समुदाय की सेहत और भलाई न्युवोको की सीएसआर कोशिशों के अहम और महत्वपूर्ण हिस्से हैं। शिवोरा ग्लोबल लाइफ्साइंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ यह साझेदारी समुदाय के विकास के लिए न्युवोको की प्रतिबद्धता को प्रोफेशनल हेल्थकेयर सपोर्ट के साथ जोड़ती है, जिससे ज़मीनी स्तर पर हेल्थकेयर सेवाएं बेहतर होती हैं और कंपनी के कामकाज वाले इलाकों के आस-पास के समुदाय ज़्यादा स्वस्थ और मज़बूत बनते हैं। श्री सुमित बघेल, एसडीएम, अकलतरा, जांजगीर-चांपा ने कहा, ÷न्युवोको विस्टास ने हमेशा विभिन्न पहलों के माध्यम से अपने संचालन के आस-पास के समुदायों का समर्थन किया है। अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत, कंपनी ने अब आरसमेटा, सोंसारी, परसदा और अमोरा के निवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को मजबूत करने के लिए मोबाइल मेडिकल वैन की शुरुआत की है।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 30 सितंबर तक

जशपुरनगर। जिले में अध्ययनरत कक्षा पहली से 12वीं तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद अप्लाई टु स्कालरशीप विकल्प में लॉगिन कर आधार का सत्यापन करना होगा। आधार सत्यापन के पश्चात मांगी गई आवश्यक जानकारी दर्ज कर आवेदन पूर्ण करना होगा। आवेदन के लिए मूल निवास प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, नवीनतम आय प्रमाण पत्र तथा पूर्व वर्ष की अंकसूची सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवेदन संबंधित विद्यालय की संस्था आईडी में प्रदर्शित होगा। विद्यालय के प्रधान पाठक अथवा प्राचार्य द्वारा आवेदन का सत्यापन कर उसे समाज कल्याण विभाग, जशपुर की आईडी में अग्रेषित किया जाएगा। इसके पश्चात समाज कल्याण विभाग द्वारा आवेदन को राज्य स्तर पर भेजा जाएगा और पात्र विद्यार्थियों को डीबीटी के माध्यम से छात्रवृत्ति की राशि उनके बैंक खाते में प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया के लिए संबंधित विद्यालय अथवा शैक्षणिक संस्था का एनसीपी पोर्टल पर पंजीयन होना आवश्यक है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, गुरुवार 10 सितम्बर 2026

शहरों में नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों में लाएं तेजी : मुख्यमंत्री साय

■ अमृत मिशन के कार्य मिशन मोड में पूरे कर शत-प्रतिशत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। शहरों का विकास केवल अधोसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, बेहतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था और सुगम सार्वजनिक परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप से मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को नगरीय निकायों में संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों

का वास्तविक लाभ नागरिकों तक समय पर पहुंचे, यह अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

38 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर, 31 का निर्माण प्रगतिरत

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के नगरीय निकायों में युवाओं को अध्ययन के लिए आधुनिक और सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए जा रहे सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन 'नालंदा परिसर' की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन परिसरों के कार्यों में तेजी लाते हुए इन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि योजना के अंतर्गत तीन वित्तीय वर्षों में प्रदेश के 38 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिनमें 31 कार्य वर्तमान में प्रगतिरत हैं। मुख्यमंत्री ने इन परिसरों में प्रस्तावित सीटों की संख्या और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने रायपुर में निर्माणाधीन नालंदा परिसर की प्रगति की भी समीक्षा की।

सुनियोजित और नागरिक-केंद्रित हों प्रदेश के शहर

मुख्यमंत्री श्री साय ने नगरोत्थान योजना की समीक्षा करते हुए शहरों में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अधोसंरचना विकसित करने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 14 नगर निगमों के लिए प्रारंभ की गई इस योजना के तहत मुख्य सड़कों का चौड़ीकरण, बाईपास, फ्लाईओवर, सर्विस लेन और अंडरपास सहित यातायात से संबंधित आवश्यक अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपनी पूर्व घोषणाओं के अंतर्गत स्वीकृत नगरीय विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्हें समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि नगरीय निकायों के सतत, संगठित एवं नागरिक-केंद्रित विकास के लिए 'आदर्श शहर समृद्धि योजना' प्रारंभ की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इसके अंतर्गत 32 नगरीय निकायों का चयन किया गया है।

अदाणी एयरपोर्ट्स वैश्विक निवेशकों से करीब 1 अरब अमेरिकी डॉलर की नई इक्विटी जुटाएगा

■ अल्फा वेव ग्लोबल, प्रेमजी इन्वेस्ट, टेमासेक और ब्लैकरॉक द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड्स का निवेश

रायपुर (विश्व परिवार)। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल), अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की सहायक कंपनी और भारत के सबसे बड़े प्राइवेट एयरपोर्ट ऑपरेटर्स में से एक है। कंपनी ने अल्फा वेव ग्लोबल, प्रेमजी इन्वेस्ट, टेमासेक और ब्लैकरॉक द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड्स वाले निवेशक समूह से 9,825 करोड़ रुपए (करीब 1 अरब अमेरिकी डॉलर) की नई इक्विटी पूंजी जुटाने के लिए बाध्यकारी समझौते किए हैं। इस ट्रांजैक्शन से एएएचएल की प्री-मनी इक्विटी वैल्यूएशन करीब 18 अरब अमेरिकी डॉलर होगी। यह भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में वित्तीय संस्थानों से होने वाले सबसे बड़े नई इक्विटी निवेशों में से एक है।

लंबे समय के लिए निवेश करने वाले घरेलू और वैश्विक निवेशकों के इस समूह की भागीदारी एएएचएल के बड़े पैमाने, ऑपरेशनल क्षमताओं और लंबे समय में ग्रोथ की संभावनाओं को मिला एक महत्वपूर्ण इंस्टीट्यूशनल समर्थन है। यह निवेश ऐसे समय में कारोबार में लंबे समय के लिए इंस्टीट्यूशनल कैपिटल ला रहा है, जब भारत का एविएशन सेक्टर लगातार बढ़ते पैसेंजर ट्रैफिक, क्षमता विस्तार और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश के दौर में प्रवेश कर रहा है।

एएएचएल और निवेशकों ने शेयर सब्सक्रिप्शन एग्रीमेंट और शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट किए हैं। इनके तहत निवेशक तीन चरणों में एएएचएल के नए इक्विटी शेयरों में निवेश करेंगे। अंतिम चरण जुलाई 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। तीनों चरण पूरे होने के बाद निवेशकों के पास एएएचएल में कुल करीब 5.54% हिस्सेदारी होगी।

इस निवेश का इस्तेमाल तीन रणनीतिक प्राथमिकताओं पर किया जाएगा: एएएचएल के पोर्टफोलियो में एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और आधुनिकीकरण; एयरपोर्ट्स के आसपास इंटीग्रेटेड अदाणी एयरपोर्ट सिटी इकोसिस्टम के विकास में तेजी लाना, जिसमें पहले चरण में करीब 22 लाख वर्ग फुट का मिक्स्ड-यूज डेवलपमेंट शामिल है; और यात्रियों से सीधे जुड़े व अन्य नॉन-एयरोनॉटिकल बिजनेस को बढ़ाना, जिसमें हमारा ग्राउंड हैंडलिंग बिजनेस भी शामिल है। इन निवेशों से क्षमता बढ़कर हर साल करीब 20 करोड़ यात्रियों को सेवा देने लायक होने की उम्मीद है। साथ ही कमर्शियल मोनेटाइजेशन को बढ़ाने, यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और एएएचएल के इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट इकोसिस्टम को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

यह ट्रांजैक्शन एईएल द्वारा जुलाई 2026 में किए गए 15,000 करोड़ रुपए के सफल क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के बाद हुआ है, जो किसी नॉन-फाइनेंशियल कॉरपोरेट द्वारा भारत में किया गया सबसे बड़ा क्यूआईपी था।

पक्के घर का सपना हुआ साकार: चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी

■ नपा अध्यक्ष व उनकी टीम ने बांटे 22 हितग्राहियों को बांटे आवास स्वीकृति पत्र

कवर्धा (विश्व परिवार)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी व उनकी टीम ने आज नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत निवासरत पात्र 22 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत ''आवास स्वीकृति'' पत्रक का वितरण किया। वितरण कर उन्होनें शासन की योजनाओं को विस्तार पूर्वक बताया तथा जल्द ही अपना अपना आवास प्रारंभ कर नये घर में प्रवेश करने के लिए शुभकामनाएं दी।

कदम बढ़ाया है। नगर पालिका परिषद कवर्धा क्षेत्रांतर्गत निवासरत पात्र 22 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृति पत्रक प्रदान किए गए। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी एवं उनकी टीम ने हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित कर उन्हें नए आशियाने की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना सरकार की ऐसी महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य हर पात्र परिवार को सम्मानपूर्वक पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है।

आवास स्वीकृति मिलने से हितग्राहियों के चेहरे खिले

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने शहर के जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर के सपने को साकार करने की दिशा में एक और

बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया 121वां स्थापना दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी स्थापना के 120 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।

इस उपलक्ष्य में बैंक के छत्तीसगढ़ अंचल द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण के साथ की गयी। बैंक के नवा रायपुर स्थित आंचलिक कार्यालय परिसर में वरिष्ठ अधिकारियों ने वृक्षारोपण किया तथा भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यालय के सभा कक्ष में बैंक के 120 वर्षों की यात्रा पर आधारित प्रस्तुति दिखाई गयी तथा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रजनीश कर्नाटक का सन्देश प्रसारित किया गया। छत्तीसगढ़ के आंचलिक प्रबंधक श्री विनय उपकारी ने सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को 121वें स्थापना दिवस की शुभकामना देते हुए बताया की बैंक

के रायपुर अंचल की स्थापना के भी 20 वर्ष पूर्ण हो चुके है। उन्होंने बताया की स्थापना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 5 नई शाखाओं की स्थापना की जा रही है जो रिसाली भिलाई तथा भाटागांव, सुन्दर नगर, शंकर नगर और सिविल लाइन्स रायपुर में खोली जा रही है। इसके साथ ही राज्य में अब शाखाओं की कुल संख्या बढ़कर 74 हो जाएगी। उप आंचलिक प्रबंधक श्री सुदीप नियोगी ने सभी कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए इसी लगन के साथ बैंक को आगे ले जाने का आह्वान किया। परिसर में सभी कर्मचारियों तथा ग्राहकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की गयी थी। रक्तदान के कार्यक्रम में बैंक कर्मियों तथा ग्राहकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का समापन ग्राहक गोष्ठी के आयोजन के साथ किया गया जिसमें विभिन्न शाखाओं के 80 से अधिक ग्राहक उपस्थित रहे द्य ग्राहकों को लघु एवं मध्यम उद्योग, खुदरा व्यवसाय तथा विपणन विभाग द्वारा वभिन्न ऋण तथा निवेश योजनाओं की जानकारी दी गयी। सभी ग्राहकों ने बैंक के प्रति अपनी शुभकामनायें व्यक्त कीं तथा बैंक की प्रगति के लिए सुझाव प्रदान किये।

शिक्षक समाज और राष्ट्र के भविष्य के शिल्पकार : पुरन्दर मिश्रा

■ शिक्षक ही विद्यार्थियों के जीवन को देते हैं सही दिशा : पुरन्दर मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के फाफाडीह स्थित शहीद स्मारक उत्कृष्ट विद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया।

इस दौरान विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में गुरुजनों के प्रति सम्मान, शिक्षा के महत्व, भारतीय संस्कृति और संस्कारों की सुंदर झलक देखने को मिली। अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से विद्यार्थियों ने समारोह को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में संजय जोशी जी, नेहा राठौर जी, प्राचार्य रमाकांत झा जी सहित

विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को गढ़ने और उन्हें जीवन की सही दिशा दिखाने वाले सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। शिक्षकों के संस्कार, अनुशासन और मार्गदर्शन से ही मजबूत चरित्र और सशक्त राष्ट्र की नींव तैयार होती है।

उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस अपने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन को जीवन में आत्मसात कर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए।

विदर्भ एवं गीतांजलि एक्सप्रेस के समय में परिवर्तन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल -सावंतवाड़ी रोड के मध्य नई दैनिक नियमित ट्रेन संख्या 15087/15088 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल-सावंतवाड़ी-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस के परिचालन के फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया है। यह परिवर्तन 08 सितंबर 2026 से प्रभावी होगा। ट्रेन संख्या 12106 गोंदिया-मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल विदर्भ एक्सप्रेस

मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस स्टेशन पर आगमन का समय 06:50 बजे से संशोधित होकर 07:00 बजे हो जाएगा। ट्रेन संख्या 12860 हावड़ा-मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल गीतांजलि एक्सप्रेस मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल स्टेशन पर आगमन का समय 21:20 बजे से संशोधित होकर 22:45 बजे हो जाएगा।

15 वाहनों से सत्ताईस हजार रूपये शमन शुल्क की वसूली

बलौदाबाजार। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के निर्देशानुसार जिले में संचालित स्कूल वाहन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 1 वाहन क्रमांक सीजी 04 ई 2416 में किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज उपलब्ध नही होने के कारण जप्त किया गया है। साथ ही जिले में अन्य वाहनों (ई-रिक्शा, आटो, वेन) पर मोटर यान अधिनियम के विरूद्ध संचालित वाहनों पर कार्यवाही की गई है। कुल 15 वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 27000 रूपये शमन शुल्क वसूल किया गया है।

रामसागर पारा में होगा भव्य बैला दौड़ पोरा तिहार का आयोजन

■ भव्य बैला दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को दिया जायेगा विशेष उपहार

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर पश्चिम पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने छत्तीसगढ़वासियों को पोरा तिहार एवं गणेश चतुर्थी की अग्रिम शुभकामनाएँ दी है और कहा कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी दिनांक 10 सितंबर 2026 दिन गुरूवार को रायपुर के ऐतिहासिक स्थल रामसागर पारा, मेन रोड, रायपुर (छ.ग.) में छत्तीसगढ़ी पुरखा के तिहार, पारंपरिक त्यौहार ''पोला पर्व'' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। उपाध्याय ने कहा कि रामसागर पारा क्षेत्र में पुरानी परंपरा सदियों से चली आ रही है और

यहाँ लगातार पूरे क्षेत्रवासियों के द्वारा बहुत ही उमंग एवं हर्षोउल्लास के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्यौहारों का आयोजन किया जाता है। यह कार्यक्रम विकास उपाध्याय के संरक्षण, छत्तीसगढ़ पारंपरिक पोरा तिहार उत्सव समिति व रामसागर पारा क्षेत्रवासियों द्वारा भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने अपने पश्चिम क्षेत्रवासियों सहित रायपुर लोकसभा क्षेत्र के जम्मो महतारी, बहिनी, लईका, सियान सहित समस्तजनों को आमंत्रित करने तरह-तरह की तैयारियाँ की हैं एवं पोला तिहार में उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की हैं, जिसमें सभी प्रतिभागियों को विशेष उपहार दिया जाएगा तथा छत्तीसगढ़ी तिहार पुरखा के तिहार को बढ़ावा देने और उत्साहवर्धन करने के लिए आमजनता से अपील भी की है।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं और 11वीं में पार्श्व प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

■ ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026

जशपुरनगर (विश्व परिवार)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय कुनकुरी में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11वीं की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु पार्श्व प्रवेश चयन परीक्षा (LEST-2027) के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है। नवोदय विद्यालय समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इस चयन परीक्षा में पात्र विद्यार्थी नि:शुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्राचार्य संजीव कुमार ने बताया ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की गई है।

कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी

cbseitms.nic.in/2026/nvsix_9 तथा कक्षा 11वीं के लिए cbseitms.nic.in/2026/nvsxi_11 पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

विद्यालय की ओर से बताया गया है कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने से पहले अभ्यर्थी पात्रता शर्तों, नियमों एवं अन्य आवश्यक जानकारी को ध्यानपूर्वक पढ़ लें।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35079/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35079
वार्ड का नाम-01- वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR801P00063 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती GYANENDRA PRATAP SINGH पिता/पति, श्री/श्रीमती DANBAHADUR SINGH के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RUNNA DEVI पिता/पति, श्री/श्रीमती SANJAY KUMAR YADAV ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./35115/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35115
वार्ड का नाम-31 - नेताजी सुभाष चंद्रबोस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 31 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR328J00178 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती GAYATRI DEVI GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती LATE MR. S.P.GUPTA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. NIMESH KUMAR GUPTA 2. NITISH KUMAR GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LATE. SHATRUGHAN PRASAD GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत हक त्याग विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./35244/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35244
वार्ड का नाम-30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR331H00253 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PUSHPA DEVI SHAHA पिता/पति श्री/श्रीमती W/O RAMDHIN SHAHA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RAHUL SHAH पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHRI RAMDHAN SHAH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत दापनत्र / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./35243/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 09-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35243
वार्ड का नाम-12- कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR229A00008 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ASHOK KUMAR SUTHAR , MANJU SUTHAR पिता/पति श्री/श्रीमती MULARAM SUTHAR , ASHOK KUMAR SUTHAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती MS SARDA ENERGY AND MINERALS LIMITED THROUGH - SUBODH SOMANI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LT .VIJAY SHANKAR SOMANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(5th Call)

NIT NO: 613/PWD/Zone-5/2026 RAIPUR DATED: 08-09-2026

Online bids are invited for the following works of works up to 21-09-2026at 17:30 hours.

St. No.	System Tender No.	Name of work/ Description of work	Probable amount of contract	Remark
1	199031	वामनराव लाखे वार्ड जोन क्र. 5. सामुदायिक भवन निर्माण प्रथम तल हेतु आदिवासी कालोनी, कुशालपुर, न.पा.नि, रायपुर।	10.00Lacs	(5th Call)

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.infrom 09-09-2026 10.30 Hours(IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.
NOTE: -
1. All eligible(i.e. Registration, G.S.T./ PAN card/ ITR/Commercial Tax current / Current Revenue Soulvency) and interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

ZONE COMMISSIONER
ZONE-5
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)

उद्घोषणा

राजस्व प्रकरण क्रमांक /ब-121/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री उमेश पारख पिता स्व0 बंशीलाल पारख निवासी सदर वार्ड जगदलपुर जिला बस्तर** द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक अपने पुत्री के लिये आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय सम्पत्ति प्रमाण पत्र (EWS) प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र परिशिष्ट-एक में आवेदन पत्र पेश किया है।

उपरोक्त संदर्भ में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति करनी हो तो **दिनांक 23/09/2026** के पूर्व न्यायालय तहसीलदार (नजूल) परिसर में स्वयं अथवा प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

उद्घोषणा पत्र आज **दिनांक 09.09.2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार (नजूल)
जगदलपुर

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 10 सितम्बर 2026

गणेश उत्सव : समितियों और डीजे संचालकों को सख्त निर्देश

कोरबा। गणेश चतुर्थी और आगामी गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए कोरबा पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस ने जिले की गणेश समितियों और पंडाल आयोजकों के साथ-साथ डीजे संचालकों की अलग-अलग बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटेल ने गणेश समितियों और डीजे संचालकों को कानून-व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात, विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा, ध्वनि प्रदूषण और प्रतिमा विसर्जन को लेकर जरूरी सावधानियों की जानकारी दी। पुलिस ने गणेश समितियों को पंडाल परिसर और आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाने, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था रखने और सुरक्षा के जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ को आकार देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अब युवाओं के कंधों पर : सीएम

■ राज्य निर्माण के बाद पहली बार नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में एक साथ 21 सहायक संचालकों की नियुक्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। शहरों का विकास केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों के अनुरूप किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के 21 नवचयनित सहायक संचालकों (योजना) को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवचयनित अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के बाद पहली बार नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में सहायक संचालकों की नियुक्ति हुई है। यह नियुक्ति विभाग की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ प्रदेश में तेजी से हो रहे शहरीकरण को सुनियोजित दिशा देने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नवचयनित अधिकारियों के माता-पिता और परिजनों को भी विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर योग्य बनाना और उन्हें जिम्मेदार पद पर प्रदेश तथा जनता की सेवा करते देखना प्रत्येक माता-पिता के लिए गर्व और प्रसन्नता का अवसर होता है। आज इन युवाओं के जीवन में नई जिम्मेदारी की शुरुआत हो रही है और इसके साथ उनके परिवारों की अपेक्षाएं तथा प्रदेश की आशाएं भी जुड़ी हुई हैं।

राज्य गठन के बाद 25 वर्षों में 17 नियुक्तियां, अब एक साथ 21 युवा अधिकारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गठन को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस अवधि में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग में कुल 17 सहायक संचालकों की नियुक्ति हुई थी, जबकि आज एक साथ 21 युवा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार भविष्य

की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभागों को पर्याप्त मानव संसाधन और प्रोफेशनल क्षमता से सशक्त कर रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। गांवों से शहरों की ओर आबादी का विस्तार होने के साथ नगरों की सीमाएं बढ़ रही हैं और प्रमुख सड़कों तथा शहरों के आसपास नई बसाहटें विकसित हो रही हैं। आने वाले वर्षों में यह गति और तेज होगी। ऐसे में आवासीय क्षेत्रों, व्यावसायिक गतिविधियों, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, परिवहन, जल निकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए दीर्घकालीन एवं वैज्ञानिक योजना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने नवचयनित अधिकारियों से कहा कि टाउन प्लानिंग केवल नक्शे बनाने या भू-उपयोग तय करने का कार्य नहीं है। इसका सीधा संबंध नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता और शहरों के भविष्य से है। एक अच्छी योजना शहर को व्यवस्थित बनाती है, नागरिक सुविधाओं को सुलभ करती है और भविष्य में अनियोजित विस्तार से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को रोकती है। इसलिए आज नियुक्त हुए युवा अधिकारियों के कंधों पर भविष्य के छत्तीसगढ़ के शहरों और कस्बों को आकार देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

जनहित और पारदर्शिता को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दें

मुख्यमंत्री श्री साय ने नवचयनित अधिकारियों को दायित्वबोध का संदेश देते हुए कहा कि शासकीय सेवा जनता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। शासन में अधिकारी द्वारा लिया गया प्रत्येक निर्णय किसी न किसी रूप में आम नागरिक के जीवन को प्रभावित करता है। इसलिए अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ करें।

उन्होंने कहा कि शासन की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें आम नागरिक को अपने छोटे से छोटे कार्य के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। नियमों और प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करते हुए नागरिकों की सुविधा और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना अधिकारियों का दायित्व है। उन्होंने नवचयनित अधिकारियों से अपनी तकनीकी शिक्षा, आधुनिक ज्ञान और नवाचार का उपयोग प्रदेश के बेहतर नियोजन में करने का आह्वान किया।

विकसित भारत के संकल्प में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भागीदारी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ देश इस लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने आने वाले वर्षों के विकास की स्पष्ट दिशा तय करते हुए 'छत्तीसगढ़ अंजोर : विजन 2047' तैयार किया है। हमारा लक्ष्य ऐसा छत्तीसगढ़ बनाना है, जहां आधुनिक अधोसंरचना के साथ बेहतर नागरिक सुविधाएं हों, युवाओं के लिए पर्याप्त अवसर हों और विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य केवल सरकार के प्रयासों से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसमें शासन-प्रशासन, युवाओं और प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

ढाई वर्षों में 15 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में विभिन्न विभागों में 15 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। पुलिस विभाग में 7 हजार से अधिक और शिक्षा विभाग में 3 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। बिजली विभाग में भी 1200 से अधिक नियुक्तियां की गई हैं। विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

एआई मिशन के नाम पर युवाओं को सपना नहीं, रोजगार का ठोस रोडमैप चाहिए: कांग्रेस

■ सरकार, युवाओं को रोजगार देने के बजाय अब एआई के नाम पर नए सपने बेचने की तैयारी कर रही है

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस ने मंत्रिमंडल के द्वारा मुख्यमंत्री स्टार्टअप मिशन शुरू किये जाने के फैसले को युवाओं को ठगने का नया तरीका बताया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मंत्रिमंडल ने आज फैसला लिया है कि आने वाले 5 साल में युवाओं का स्किल डेवलपमेंट करने के लिये मुख्यमंत्री स्टार्टअप योजना चालू की जायेगी। सरकार इस एआई मिशन के नाम पर लगभग 500 करोड़ रूपये सरकार खर्च करेगी। पिछले मंत्रिमंडल में भी इस बारे में फैसला लिया गया था। सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय अब एआई के नाम पर नए सपने बेचने की तैयारी कर रही है। सरकार का दावा है कि एआई मिशन के तहत 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया

जाएगा तथा एआई स्टार्टअप को सहायता मिलेगी। लेकिन असली सवाल यह है कि इन प्रशिक्षणों के बाद कितने युवाओं को वास्तविक रोजगार मिलेगा? कितने युवाओं को नौकरी मिलेगी? कितने स्टार्टअप जमीन पर उतरेंगे और कितने केवल कागजों में रहेंगे?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार के इस फैसले पर युवाओं को भरोसा नहीं है, यह सरकार रोजगार किलिंग सरकार है। 2023 के विधानसभा चुनावो में युवाओं से वादा किया था कि 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे। पिछले पौने तीन साल में एक भी भर्ती नहीं निकाला। प्रोफेसर की पोस्ट खाली है, शिक्षको का पोस्ट खाली है। प्रदेश के अनेकों विभागों में लगभग 1 लाख 7 हजार पोस्ट खाली है।

छत्तीसगढ़ ने जीता अखिल भारतीय विद्युत मंडलीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का खिताब

■ एकल में कोलकाता और युगल में छत्तीसगढ़ ने मारी बाजी

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय विद्युत मंडलीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता की टीम चैंपियनशिप का खिताब छत्तीसगढ़ ने अपने नाम किया है। 6 से 8 सितंबर तक आयोजित अखिल भारतीय टूर्नामेंट में एकल प्रतिस्पर्धा की जीत कोलकाता के नाम रही वहीं युगल खिताब छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी ने अपने खाते में दर्ज किया। समापन अवसर पर पावर कंपनी के तीनों प्रबंध निदेशकों ने विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर वरिष्ठतम खिलाड़ी श्री प्रशांत बापट को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित भी किया गया।

पॉवर कंपनी मुख्यालय के क्रीड़ा परिसर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान प्रबंध निदेशक पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना का बेहतरीन प्रदर्शन

करने के लिए बधाई दी। उन्होंने खेल की सीख को अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन का हिस्सा बनाने का भी आग्रह किया। एमडी जनरेशन व केंद्रीय क्रीड़ा कला परिषद के अध्यक्ष श्री संजीव कटियार ने तीन दिनों तक चले इस रोमांचक खेल प्रतियोगिता के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में काम कर रहे कर्मियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना ही असल सफलता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एमडी डिस्ट्रीब्यूशन श्री भीम सिंह कंवर ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में कार्य करने के दबाव के बीच खेल के लिए समय निकालना किसी चुनौती से कम नहीं पर उन्हें भी पार कर विजेता बनना बिना समर्पण और अनुशासन के संभव नहीं है। इस अवसर पर एआईईएससीबी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यपालक निदेशक श्री के एस मनोठिया ने इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न खेलों के संबंध में जानकारी दी । केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव श्री एम एस चौहान ने इस अवसर पर बताया कि इन तीन दिनों में देश की नौ टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया तथा इस दौरान सिंगल्स के 45 मुकाबले, डबल्स के 34 और टीम इवेंट के 20 मैच समेत कुल 99 मुकाबले खेले गए।

CII Fiscal Frontier 2.0 ने बाजार, संपदा और विकास की नई दिशा पर किया मंथन

रायपुर (विश्व परिवार)। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) छत्तीसगढ़ द्वारा बुधवार को रायपुर में Fiscal Frontier 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम मार्केट इन 2026: रिसेपिंग वेल्थ, रीइमैजिनिंग ग्रोथ इन टर्बुलेंट टाइम्स रही। कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, वित्त विशेषज्ञों, कारोबारियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लेकर वर्ष 2026 के बदलते बाजार परिवेश, उभरते अवसरों, संपदा निर्माण तथा आर्थिक विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का फोकस वर्ष 2026 के वित्तीय एवं आर्थिक परिदृश्य में उभर रही चुनौतियों और अवसरों को समझने पर रहा। चर्चा के दौरान बाजार के रुझान, संपदा निर्माण, व्यवसायिक विकास तथा तेजी से बदलते और अनिश्चित आर्थिक वातावरण में आगे बढ़ने की रणनीतियों पर विस्तार से विचार किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ CII छत्तीसगढ़ स्टेट काउंसिल के चेयरमैन एवं श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के डायरेक्टर बजरंग गोयल के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच उद्योग एवं वित्तीय क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को अपने विचार साझा करने तथा अर्थव्यवस्था और बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

ई-रिक्शा एवं ऑटो में QR कोड व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने संयुक्त बैठक आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। डॉ. अर्चना झा, पुलिस उपायुक्त, यातायात एवं प्रोटोकॉल, कमिश्नरेट रायपुर के निर्देशन पर रायपुर शहर में संचालित ई-रिक्शा एवं ऑटो वाहनों में लगाए जा रहे क्यूआर कोड की व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं उपयोगी बनाने के उद्देश्य से दिनांक 08 सितंबर 2026 को शाम 04:00 बजे अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात, रायपुर के कार्यालय स्थित सभागार में रायपुर पुलिस कमिश्नरेट एवं ई-रिक्शा डीलर्स की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में ई-रिक्शा एवं ऑटो वाहनों में लगाए गए QR कोड के माध्यम से वाहन, चालक एवं आवश्यक संबंधित जानकारी को अद्यतन एवं व्यवस्थित रूप से उपलब्ध कराने तथा आम नागरिकों एवं यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए क्यूआर कोड व्यवस्था को और

अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। ई-रिक्शा डीलर्स को वाहन एवं चालक से संबंधित जानकारी के नियमित अद्यतन तथा क्यूआर कोड व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन में आवश्यक सहयोग एवं समन्वय प्रदान करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में राम कुमार बर्मन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात, रमेश येरेवार, सहायक पुलिस आयुक्त तथा श्री सतीश ठाकुर, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात, श्री कमल पांडेय, श्री सुरेश तिवारी अध्यक्ष ई रिक्शा एवं ऑटो संघ सहित लगभग 25 ऑटो/ई-रिक्शा डीलर्स उपस्थित रहे।

बैठक में निम्नानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए- नई खरीदी एवं सर्विसिंग के दौरान निर्धारित फॉर्म भरना अनिवार्य, ई-रिक्शा की नई खरीदी करने के दौरान एवं सर्विसिंग के दौरान वाहन मालिक/चालक से निर्धारित फॉर्म भरवाया जाएगा, ताकि वाहन एवं चालक से संबंधित आवश्यक जानकारी को अद्यतन रखा जा सके तथा QR कोड व्यवस्था में आवश्यक जानकारी उपलब्ध रहे।

भिलाई पॉवर हाउस रेलवे स्टेशन पर चला टिकट चेकिंग अभियान

■ कुल 166 मामलों से 01,25,265 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर भिलाई पॉवर हाउस रेलवे स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान दिनांक 08 सितम्बर, 2026 को चलाया गया। जिसमें स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, एवं 13 ट्रेनों में एंबुश टिकट चेकिंग अभियान में कुल 166 मामलों को दर्ज कर 01,25,265 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया।

एंबुश टिकट चेकिंग में बिना टिकट यात्रा करने वाले 114 यात्री पकड़े गए, जिससे 97,870/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 30 यात्रियों से 25395/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ, अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 21

यात्रियों से 2100/- गंदगी फैलाने वाले 01 मामलों से 1000/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ। इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था। इस टिकट चेकिंग अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनंद मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक-टिकट चेकिंग सहित 14 टिकट चेकिंग स्टाफ, 02 रेलवे सुरक्षा बल के स्टाफ शामिल रहे।

रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर मे प्रवेश करने के पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें।

साइबर ठगी से रहें सावधान और MRM पोर्टल की सुविधा का उठाएं लाभ

रायपुर (विश्व परिवार)। 50,000 रुपए तक की साइबर ठगी की राशि बिना FIR कराए भी ऑनलाइन आवेदन कर MRM पोर्टल के माध्यम से वापस प्राप्त की जा सकती है।

साइबर ठगी के मामलों में आम नागरिकों को राहत प्रदान करने के लिए Money Restoration Module (MRM) पोर्टल की सुविधा उपलब्ध है। यदि साइबर ठगी की राशि समय पर शिकायत करने पर होल्ड हो जाती है, तो पात्र पीड़ित ऑनलाइन आवेदन कर अपनी राशि वापस पाने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

विशेष रूप से 50,000 रुपए तक की साइबर ठगी की राशि बिना FIR कराए भी पात्रता अनुसार MRM पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर वापस प्राप्त की जा सकती है।

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के थाना गुढ़ियारी क्षेत्र निवासी श्री

रजनीश गुप्ता के साथ हुई साइबर ठगी के मामले में 30,000 रुपए की राशि होल्ड हुई थी। MRM पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने पर मात्र 03 दिवस के भीतर 20,000 रुपए की राशि उनके बैंक खाते में वापस प्राप्त हो गई।

साइबर ठगी होने पर क्या करें?

तुरंत 1930 पर शिकायत करें - cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें, राशि होल्ड होने पर MRM पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करें।

आम नागरिकों से अपील है कि MRM पोर्टल की इस महत्वपूर्ण सुविधा की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, ताकि साइबर ठगी के पीड़ित पात्र नागरिक समय पर आवेदन कर अपनी होल्ड राशि वापस पाने की प्रक्रिया का लाभ ले सकें।

साइबर ठगी से बचें - सतर्क और जागरूक रहें

ठगी हो जाए - तुरंत शिकायत करें, 50,000 रुपए तक की ठगी की राशि बिना FIR कराए भी MRM पोर्टल से वापस पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन करें।

मोदी के 25 वर्षों के सेवा भाव को जन-जन तक पहुँचाने का अभियान 'सेवा संकल्प अभियान'

■ 'सेवा में मेरा योगदान' और 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' के माध्यम से युवाओं को सेवा, रचनात्मकता और नवाचार से जोड़ा जाएगा : वी.डी. शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम आहूत किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा सांसद एवं भाजपा प्रकोष्ठ संकुल के राष्ट्रीय संयोजक वी.डी. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन जन सेवा को समर्पित रहा है। श्री

मोदी ने राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य किया है। श्री मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत की ओर अग्रसर हो चुका है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की वैश्विक छवि को एक मानबिन्दु के रूप में स्थापित किया है। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर रही है। दुनिया की निगाहें आज भारत पर टिकी हुई हैं।

भाजपा सांसद श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के सेवा भाव को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न सेवा गतिविधियों, लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा युवाओं को सेवा और नवाचार से जोड़ने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 'सेवा संकल्प अभियान' के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी के सेवा भाव को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनके अंतर्गत, आशीर्वाद का दीया, सेवा चित्र, नमो सेवा गाथा, सेवा स्मरण, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी जल जन और सेवा संकल्प यात्रा आद कार्यक्रम होंगे। इसी तरह सेवा मेरा योगदान के तहत 25 सेवा गतिविधियाँ, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र, राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज, जनसेवक महाकुंभ (पंचायत से पार्लियामेंट) कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक वर्ष 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर देशभर में 'सेवा पखवाड़ा' आयोजित करती है। श्री मोदी का व्यक्तित्व निरंतर सेवा भाव से जुड़ा हुआ है, इसलिए पार्टी पिछले कई वर्षों से उनके जन्मदिवस के अवसर पर सेवा गतिविधियाँ आयोजित करती आ रही है। इस वर्ष एक विशेष संयोग है कि 7 अक्टूबर 2001 को श्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और आगामी 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक जीवन के इस महत्वपूर्ण पड़ाव को 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354